कार्तिक शुक्ल पक्ष -3, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 125 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

भोपाल
12 नवंबर 2026 गुरुवार

आज का मौसम
30.6 अधिकतम
12.2 न्यूनतम



Page-7

न्यूज विंडो

जया बच्चन की मां इंदिरा भादुड़ी बीमार, भोपाल में भर्ती

भोपाल, दोपहर मेट्रो। बॉलीवुड अभिनेत्री और समाजवादी पार्टी की राज्यसभा सदस्य जया बच्चन की मां इंदिरा भादुड़ी की तबीयत खराब होने के बाद उन्हें भोपाल के पारुल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। 95 साल से अधिक उम्र की इंदिरा भादुड़ी का इलाज जारी है। फिलहाल उनकी स्थिति में सुधार बताया जा रहा है। उन्हें एलर्जी से जुड़ी परेशानी भी है, जो बीच-बीच में सामने आती रहती है। परिवार के सदस्य लगातार उनकी सेहत पर नजर रख रहे हैं। अस्पताल से छुट्टी मिलने को लेकर फिलहाल कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है। डॉक्टर उनकी स्थिति और रिकवरी को देखते हुए आगे का निर्णय लेंगे।



शिवराज की मां की तेरहवीं में शामिल होने आए बिरला-राजनाथ

भोपाल, दोपहर मेट्रो। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की माताजी के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने और श्रद्धांजलि देने के लिए देश भर के वरिष्ठ नेताओं का भोपाल पहुंचने का सिलसिला लगातार जारी है। त्रयोदशी शांति भोज कार्यक्रम में केंद्र और राज्य सरकारों के कई दिग्गज नेता, मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री तथा राज्यों के कृषि मंत्री शामिल होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। शांति भोज में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, पश्चिम बंगाल के वरिष्ठ नेता सुवेन्दु अधिकारी, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा सहित विभिन्न राज्यों के कृषि मंत्री भी शामिल हो रहे है। प्रदेश में अमूल दूध 4 रुपए लीटर तक महंगा

अमेरिका... 96 साल पुरानी इमारत ढही, 2 की गई जान



वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। न्यूयॉर्क में 96 साल पुरानी तीन मंजिला इमारत ढह गई। हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग मलबे में दब गए। 4 लोगों की हालत गंभीर है और 6 अन्य को मामूली चोटें आई हैं। हादसे के बाद करीब 250 राहतकर्मी बचाव अभियान में जुटे है। बचावकर्मियों ने मलबे से एक गर्भवती महिला और एक बच्चे को भी बाहर निकाला। हादसा न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन इलाके के फ्लैटबुश में हुआ। इमारत एक निर्माण स्थल के किनारे बनी हुई थी। वहां पहले एक मंजिला इमारत को गिराया गया था। इसके बाद जमीन की खुदाई का काम चल रहा था। इसी दौरान तीन मंजिला इमारत ढह गई और उसका मलबा निर्माण स्थल के गड्ढे में जा गिरा।

एअर इंडिया फ्लाइट हाईजैक की धमकी मामले में एक गिरफ्तार

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता से मुंबई जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट में हाईजैक की धमकी मिलने के मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर से आज जारी प्रेस विज्ञप्ति में इसकी पुष्टि की गई। आगे की कार्रवाई के लिए संदिग्ध को एनएससीबीआई एयरपोर्ट थाने को सौंप दिया गया है। गौरतलब है कि बुधवार सुबह एअर इंडिया की फ्लाइट कोलकाता से मुंबई के लिए रवाना होने वाली थी। उड़ान भरने से ठीक पहले विमान के शौचालय में हाईजैक की धमकी से जुड़ा एक संदेश मिला था। इसके बाद तत्काल सुरक्षा प्रोटोकॉल सक्रिय कर दिया गया और विमान को टेकऑफ से रोककर आइसोलेशन बे में ले जाया गया।

आज का कार्टून



शहडोल में तापमान सबसे कम, पचमढ़ी से ठंडा इंदौर

सूबे में कड़ाके की सर्दी की आहट पहली बार पारा 11° से नीचे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ठंड के इस सीजन में पहली बार प्रदेश में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया है। शहडोल का कल्याणपुर, अनूपपुर का अमरकंटक और कटनी का करौंदी सबसे ठंडे है। बीती रात कल्याणपुर में न्यूनतम तापमान सबसे कम रहा। वहीं, भोपाल में भी दो-तीन दिनों से सर्दी का असर दिख रहा है। यहां तापमान 12 डिग्री के आसपास बना हुआ है। इंदौर इकलौते हिल स्टेशन पचमढ़ी से भी ठंडा है।

मौसम विभाग की जानकारी के अनुसार जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में बर्फबारी का दौर भी शुरू हो गया है। वहीं, 13 नवंबर तक वेस्टर्न हिमालयन रीजन में बारिश और बर्फबारी होगी। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश/भारी बर्फबारी का अलर्ट है। इसका असर खत्म होने के बाद उत्तरी हवाएं एमपी में आने लगेगी। जिससे रात के तापमान में और भी गिरावट होगी। अनुमान के मुताबिक, नवंबर के दूसरे पखवाड़े से प्रदेश में ठंड का असर बढ़ेगा। मौसम विभाग ने अगले 4 दिन के अंदर न्यूनतम तापमान में 1 से 2 डिग्री की गिरावट होने की बात कही है।



अगले हफ्ते से बढ़ेगा असर

मौसम विभाग के अनुसार, नवंबर के तीसरे सप्ताह से ठंड का असर और बढ़ेगा। खासकर ग्वालियर-चंबल संभाग के जिलों में, जहां उत्तरी हवाएं सीधी आती हैं, वहां पारा लुढ़केगा। ग्वालियर में 57 साल पहले नवंबर में रात का टेम्प्रेचर रिकॉर्ड 3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है। उज्जैन में 53 साल पहले न्यूनतम पारा रिकॉर्ड 2.3 डिग्री तक जा चुका है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर में इस महीने बारिश का ट्रेंड है। इस बार नवंबर के शुरुआत में ही बारिश का अलर्ट है। तीसरे और चौथे सप्ताह में सिस्टम एक्टिव होने से भी बारिश हो सकती है।

कल्याणपुर में पारा 9.9 डिग्री

प्रदेश के टॉप-3 सबसे ठंडे शहर कल्याणपुर, अमरकंटक और करौंदी है। बीती रात की बात करें तो कल्याणपुर में सबसे कम 9.9 डिग्री, अमरकंटक में 10.1 डिग्री, करौंदी में न्यूनतम तापमान 10.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। इसी तरह दमोह में 11.5 डिग्री, शाजापुर से जुड़े गिरवर कस्बे में 11.8 डिग्री, इंदौर में 12.4 डिग्री, छिंदवाड़ा में 12.6 डिग्री, रायसेन में 12.8 डिग्री, पचमढ़ी, जबलपुर-मंडला में 13.2 डिग्री, नौगांव में 13.4 डिग्री, रीवा में 13.6 डिग्री सेल्सियस रहा। शहडोल संभाग में न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 डिग्री तक कम रहे। भोपाल संभाग में यह 1.9 डिग्री कम है। उत्तरी हिस्से में ग्वालियर-चंबल संभाग में पारा फिलहाल 15 डिग्री से ज्यादा ही बना हुआ है।

हिमाचल-उत्तराखंड में बर्फबारी का अलर्ट यूपी में घना कोहरा, राजस्थान में बारिश

हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में मौसम बदलने वाला है। आज और कल बारिश के साथ ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी के ह्यआसार हैं। मेघालय के शिलांग में बुधवार को जमकर ओले गिरे, जिससे शहर में अचानक सर्दी बढ़ गई।उत्तर प्रदेश के लखनऊ समेत 10 शहरों में गुरुवार सुबह कोहरा छाया रहा। नोएडा-गाजियाबाद की हवा खराब बनी हुई है। यहां सुबह 6 बजे एयर क्वालिटी इंडेक्स 278 रिकॉर्ड किया गया। कोहरे के कारण नोएडा एयरपोर्ट पर पांच फ्लाइट ने देरी से उड़ान भरी। राजस्थान में 14-15 नवंबर को वेस्टर्न डिर्स्टबेंस के असर से बीकानेर संभाग में बारिश हो सकती है। इससे 16 नवंबर से राजस्थान में सर्दी बढ़ने की संभावना है।

दीपावली मिलन कार्यक्रम

मोदी बोले- अब गली-गली में राजनीति के विशेषज्ञ मिल जाते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी

पीएम नरेंद्र मोदी दीपावली मिलन कार्यक्रम में शामिल हुए। यह कार्यक्रम दिल्ली स्थित बीजेपी मुख्यालय में आयोजित किया गया। पीएम ने कहा कि इन 25 सालों में काफी कुछ बदल गया है। देश, दुनिया, राजनीति और मीडिया का स्वरूप पूरी तरह बदल चुका है। कुछ काम आसान हुए हैं, तो कुछ मुश्किल भी हुए हैं। पहले ओबी वैन के जरिए खबरों की कवरेज होती थी, लेकिन अब मोबाइल ही ओबी वैन बन गया है। पहले कहा जाता था कि गली-गली में क्रिकेट के विशेषज्ञ मिल जाते हैं, जो बताते थे कि सचिन ने कहां गलती की। अब हालात ऐसे हैं कि गली-गली में राजनीति के विशेषज्ञ मिल जाते हैं।



उन्होंने कहा कि त्योहारों के समय हर कोई अपने परिवार और अपनों के साथ समय बिताने की कोशिश करता है। आपका काम ऐसा है, जिसमें ब्रेकिंग न्यूज की भागदौड़ लगातार लगी रहती है। इसके बावजूद आप इस नॉन-ब्रेकिंग न्यूज कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आए, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं।

मोदी ने कहा कि मैं यहां 11 अशोका रोड पर रहा करता था। एक दिन सभी पत्रकार अचानक मेरे कमरे में आ गए। उन्होंने मजाकिया अंदाज में मेरा गला पकड़ लिया और कहा कि मिठाई खिलाओ। मैंने पूछा कि किस बात की मिठाई खिलाऊं, तो उन्होंने कहा कि आप गुजरात के मुख्यमंत्री बन गए हैं। मुझे खुद इस बात की जानकारी नहीं थी, लेकिन पत्रकारों को पहले ही पता चल गया था। उन्होंने कहा कि पत्रकारों के साथ मेरी दोस्ती और अपनेपन का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 2001 में जब मेरा शपथ ग्रहण समारोह हुआ, तो कई पत्रकार अपने खर्चे पर वहां पहुंचे थे।

नेपाल... वैन 500 मीटर गहरी खाई में गिरी, 10 की गई जान

महराजगंज, एजेसी। नेपाल के मकवानपुर जिले में आज एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। भीमफेदी गांवपालिका-6 स्थित चिसापानी गढ़ी के पास यात्रियों से भरी एक इलेक्ट्रिक वैन (ईवी) अनियंत्रित होकर सड़क से करीब 500 मीटर नीचे खाई में जा गिरी। हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर राहत एवं बचाव कार्य चलाया गया। जानकारी के अनुसार, इलेक्ट्रिक वैन काठमांडू से सलांही की ओर जा रही थी। इसी दौरान भीमफेदी-कुलेखानी-काठमांडू सड़कखंड पर चिसापानी गढ़ी के पास वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गया।



पाकिस्तान... छापेमारी करने गई पुलिस टीम पर हमला, 11 की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आतंकियों ने पुलिस टीम पर घात लगाकर हमला कर दिया। इसमें एक DSP और एक सब-इंस्पेक्टर समेत 11 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई, जबकि 12 घायल हैं।पुलिस टीम अवैध सोने के खनन के खिलाफ छापेमारी करने जा रही थी। इसी दौरान कोहाट और करक के बीच दरबोकाच इलाके में हमलावरों ने उसे निशाना बनाया। हमलावर आसपास की पहाड़ियों पर छिपे थे। घटना कोहाट जिले के गंबत इलाके की है। हमले में पुलिस की 5 गाड़ियों को आग लगा दी गई। अचानक हुई गोलीबारी से पुलिस टीम को संभलने का मौका नहीं मिला।



यौन उत्पीड़न मामला

अखाड़ा परिषद ने महामंडलेश्वर इंद्रदेव को पद से किया निष्कासित

■ अध्यक्ष बोले-आरोपों की गंभीरता को देखकर लिया फैसला

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

उज्जैन के भूखी माता मंदिर रोड पर आश्रम और गोशाला बनवा रहे निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी इंद्रदेव महाराज को पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी ने महामंडलेश्वर पद से निष्कासित कर दिया है। मुंबई की एक महिला द्वारा यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराने के बाद अखाड़े ने यह कार्रवाई की है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष एवं पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी के सचिव श्रीमहंत डॉ. रविंद्र पुरी ने इसकी पुष्टि की है।उन्होंने कहा कि आरोपों की गंभीरता और मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए अखाड़े ने यह निर्णय लिया है।



फेसबुक पर वीडियो देखकर महिला ने किया था संपर्क

महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह पारिवारिक समस्याओं के समाधान और घर में सुख-शांति के लिए धार्मिक कार्यक्रमों और प्रवचनों की तलाश कर रही थी। जनवरी 2023 में उसने फेसबुक पर डॉ. इंद्रदेव महाराज के पेज 'संत इंद्रदेव' पर उनके सत्संग के वीडियो देखने शुरू किए। महिला के मुताबिक, टीवी पर सत्संग के दौरान उसे इंद्रदेव महाराज का मोबाइल नंबर मिला। 10 अप्रैल 2023 को उस नंबर पर संपर्क करने पर उसे मुंबई के सांताक्रुज पूर्व में सात दिवसीय सत्संग होने की जानकारी मिली। 12 अप्रैल को वह अपनी छोटी बेटी के साथ सत्संग में पहुंची। महिला का आरोप है कि इसके बाद इंद्रदेव उसे लगातार फोन और वीडियो कॉल कर परेशान करने लगे। वीडियो कॉल पर अश्लील बातचीत करने और अपने कपड़े उतारने का भी आरोप लगाया गया है। महिला ने वृंदावन स्थित आश्रम में जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाने और घटना से जुड़ी ऑडियो रिकॉर्डिंग डिलीट करने के लिए धमकाने का आरोप भी लगाया है।

शरीर गोलियों से छलनी, आर्म्स भी गायब, आर्मी के साथ जंगल में सर्चिंग पर गए थे

जम्मू में लापता हुए स्पेशल पुलिस ऑफिसर के शव मिले

किश्तवाड़, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के मारवाह के जंगल में बुधवार शाम को लापता हुए जम्मू-कश्मीर पुलिस के दो एसपीओ के शव मिले हैं। दोनों शव गोलियों से छलनी हैं और उनके हथियार गायब थे। दोनों आर्मी के साथ इलाकें में सर्चिंग के लिए गए थे। जब वह लापता हुए थे, तब जंगल से फायरिंग की आवाजें भी सुनाई दी थीं। मृतक जवानों की पहचान रशपाल कुमार और बाबी चंद के रूप में हुई है।

बारामूला के जंगल में 2 हैंड ग्रेनेड मिले, संदिग्ध गिरफ्तार



सुरक्षाबलों ने आज बारामूला जिले में तलाशी अभियान के दौरान दो हैंड ग्रेनेड बरामद किए हैं। पुलिस ने इस मामले में एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। बारामूला पुलिस ने सेना के साथ मिलकर तंगमर्ग के बदरकोट जंगल में एरिया से बदरकोट निवासी गुलाम जिलानी रेशी को पकड़ा गया। उसके पास से हैंड ग्रेनेड थे।

मेट्रो एंकर

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- केवल जन्म के आधार पर हिस्सा नहीं मांग सकता पोता

बंटवारे के बाद दादा की संपत्ति पर पोते का हक नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक आदेश में कहा कि अगर दादा की संपत्ति उनके कानूनी वारिसों में बंट चुकी है, तो पोता जन्म के आधार पर उसमें अपना हिस्सा नहीं मांग सकता। जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह और जस्टिस सुनीता अग्रवाल की बेंच ने 1997 में एक नाबालिग पोते की तरफ से दायर बंटवारे का मुकदमा खारिज कर दिया। मामला चेन्नई के 1,811 स्क्वायर फीट के एक मकान / प्लॉट का था। पोते का दावा था कि उसे जन्म से ही दादा की संपत्ति में कोपार्सनरी हक मिला है, इसलिए उसे भी हिस्सा मिलना चाहिए। यह मुकदमा नाबालिग पोते की ओर से दायर किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट बोला- ऐसा नहीं होगा, क्योंकि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की धारा 8 के तहत पिता को मिला हिस्सा पहले ही उसकी व्यक्तिगत संपत्ति बन गया था।



1986 के फैसले का हवाला

सुप्रीम कोर्ट ने अपने 1986 के फैसले पर भरोसा किया। उस फैसले में कहा गया था कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 8 के तहत बेटे को मिली संपत्ति उसकी व्यक्तिगत संपत्ति होती है।ऐसी संपत्ति अपने बच्चों के संबंध में अपने-आप संयुक्त परिवार की संपत्ति नहीं बनती। इसी आधार पर कोर्ट ने पोते का दावा खारिज किया।बेंच ने हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम के तमिलनाडु संशोधन, 1989 की धारा 29ए और 1956 के अधिनियम की पुरानी धारा 6 पर निर्भरता भी खारिज कर दी।कोर्ट ने कहा कि मामले की परिस्थितियों में इनमें से कोई भी प्रावधान अपीलकर्ता की मदद नहीं करता।

यह संपत्ति चेन्नई में थी जिसके मूल मालिक पोते के दादा थे। दादा की बेटी (पोते की बुआ) ने 1993 में बंटवारे का मुकदमा किया। फरवरी 1994 में समझौते से बंटवारा हो गया, पोते के पिता को हिस्सा मिला। पिता ने अप्रैल 1997 में दो सेल डीड से अपना हिस्सा बेच दिया। पोता जनवरी 1994 में पैदा हुआ था, उसने मां के जरिए 1997 में मुकदमा किया कि मुझे भी आधा हिस्सा चाहिए, मुझे पहले वाले बंटवारे में शामिल नहीं किया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने याचिका खारिज की- सुप्रीम कोर्ट ने 1997 में नाबालिग पोते की ओर से दायर बंटवारे का मुकदमा खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि पोता केवल जन्म के आधार पर संपत्ति में स्वतंत्र हिस्सा नहीं मांग सकता।

कोर्ट ने कहा- दादा की संपत्ति उनकी मौत के बाद हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की धारा 8 के तहत उनके क्लास-I कानूनी वारिसों को मिली। क्लास-I वारिसों में बेटा, बेटी, पत्नी, मां आदि आते हैं, पोता इसमें सीधे नहीं आता।बंटवारे के बाद पिता को मिला हिस्सा पिता की निजी संपत्ति बन गया, संयुक्त परिवार की संपत्ति नहीं रहा।



केरल की संस्कृति और लोककलाओं ने मोहा मन

भोपाल, दोपहर मेट्रो। यूनाइटेड मलयाली एसोसिएशन (यूएमए), भोपाल की ओर से केरल फेस्ट 2026 के तीसरे संस्करण का बुधवार को भव्य शुभारंभ हुआ। 11 से 15 नवंबर तक आयोजित होने वाले इस पांच दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव में केरल की समृद्ध परंपराओं, लोककलाओं, खानपान, हस्तशिल्प और सांस्कृतिक विरासत की झलक देखने को मिल रही है। आयोजन में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों, कलाकारों और शहरवासियों ने भाग लिया।

नशे का नेटवर्क

बस-ट्रेन से तस्करी, ग्राहकों का इंतजार कर रहा युवक ड्रग्स के साथ गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो। बस और ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों के बीच तस्कर बैग और पैकेट में करोड़ों की ड्रग्स लेकर सफर कर रहे हैं। भोपाल में पुलिस और डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (DRI) की कार्रवाइयों ने नशे की तस्करी का यह तरीका उजागर किया है।

दिल्ली से बेंगलुरु जा रही बस हो या चेन्नई से दिल्ली जाने वाली ट्रेन, नशे की खेप यात्री परिवहन के जरिए लाई और ले जाई जा रही थी। वहीं, बुधवार को होटल के कमरे में ड्रग्स रखकर ग्राहक का इंतजार कर रहा युवक भी पकड़ा गया है। सितंबर से नवंबर के बीच हुई 9 कार्रवाइयों में 27 किलो 692.34 ग्राम ड्रग्स जब्त की गई है। ड्रग्स की कीमत 20 करोड़ से ज्यादा बताई गई है।

सितंबर से नवंबर तक पकड़ी गई ड्रग्स

8 सितंबर: वड़ोदरा से MD लाकर भोपाल में सप्लाई करने वाले संदीप सिंह गिरफ्तार, उससे 10.83 ग्राम MD मिली। **23 सितंबर:** DRI ने 2.014 किलो एम्फेटामाइन जब्त की। **24 सितंबर:** 2.368 किलो एम्फेटामाइन जब्त की गई। **14 अक्टूबर:** 2.604 किलो एम्फेटामाइन मिली। **20 अक्टूबर:** 9.139 किलो मेथामफेटामाइन पकड़ी गई। **1 नवंबर:** दिल्ली से आई बस में दो यात्रियों के पास से 4.321 किलो मेथामफेटामाइन जब्त की गई। **5 नवंबर:** 6.642 किलो एम्फेटामाइन जब्त की गई। **9 नवंबर:** चेन्नई से दिल्ली जा रही ट्रेन में महिला तस्कर के पास से 591 ग्राम कोकीन मिली। **11 नवंबर:** बागसेवनिया के होटल से 2.51 ग्राम MD जब्त की गई।

ऑनलाइन ऑर्डर लौटाने पर नहीं मिले पैसे

रिफंड के लिए कस्टमर केयर को कॉल करने पर ठगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो



भोपाल में ऑनलाइन ऑर्डर लौटाने के बाद रिफंड नहीं मिलने पर कस्टमर केयर से संपर्क करना एक व्यक्ति को महंगा पड़ गया। खुद को अमेजन कस्टमर केयर का कर्मचारी बताने वाले साइबर ठग ने फोन-पे के जरिए उनके बैंक खातों से 35 हजार 417 रुपए निकाल लिए।

आरोपी ने पहले बैंक खाते में समस्या बताई और फिर व्हाट्सएप के जरिए संपर्क कर फोन-पे पर कोड दर्ज करवाए। रकम निकलने के बाद फरियादी को धोखाधड़ी का पता चला। मामले में गुरुवार को पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है।

गूगल पर नंबर सर्च कर कस्टमर केयर से किया संपर्क

पुलिस के मुताबिक, सुदामा नगर ऐशबाग निवासी दिलशाद खान ने ऑनलाइन सामान ऑर्डर किया था। प्रोडक्ट वापस करने के बाद भी उन्हें रिफंड नहीं मिला तो उन्होंने डिलीवरी बॉय से संपर्क किया। डिलीवरी बॉय ने गूगल पर अमेजन कस्टमर केयर का नंबर सर्च कर शिकायत करने की सलाह दी। इसके बाद दिलशाद ने गूगल से मिले नंबर पर कॉल किया।फोन उठाने वाले व्यक्ति ने बैंक खाते में समस्या होने की बात कही और दूसरा खाता देने को कहा।

व्हाट्सएप पर संपर्क कर फोन-पे में कोड डलवाए

कुछ देर बाद आरोपी ने व्हाट्सएप के जरिए दिलशाद से संपर्क किया। उसने फोन-पे पर अपने बताए अनुसार कोड दर्ज करने को कहा। फरियादी ने जैसे ही कोड डाले, उनके बैंक खातों से रकम निकलना शुरू हो गई।

आरोपी ने बैंक ऑफ बड़ौदा के खाते से 3,458 रुपए निकाले। वहीं, आईडीबीआई बैंक के खाते से दो ट्रांजेक्शन में 3,458 और 28,501 रुपए निकाल लिए। इस तरह तीन ट्रांजेक्शन में कुल 35,417 रुपए की ठगी की गई।

बैंक से मैसेज मिलने पर धोखाधड़ी का पता चला

बैंक ट्रांजेक्शन के मैसेज मिलने पर फरियादी को अपने साथ हुई धोखाधड़ी का पता चला। उन्होंने आरोपी को दोबारा फोन किया, लेकिन उसने कॉल रिसीव करना बंद कर दिया। इसके बाद दिलशाद ने साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराई।

देशभर के मेट्रो स्टेशन पर भी काम करेगा एटीएम जैसा दिखने वाला कार्ड

भोपाल-इंदौर मेट्रो में स्मार्ट कार्ड की सुविधा आज से

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल और इंदौर मेट्रो में आज से नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड यानी, NCMC की व्यवस्था लागू हो जाएगी। एक सिस्टम के तहत यात्रियों को कार्ड खरीदना पड़ेगा, जो एटीएम जैसा है। इसे रिचार्ज करने के बाद मेट्रो स्टेशन पर एंटर और एग्जिट कर सकेंगे।

खास बात ये है कि ये सिस्टम जिन भी शहरों में लागू है, वहां पर यात्री कार्ड का उपयोग कर सकेंगे। इनमें दिल्ली, मुंबई जैसे मेट्रो शहर भी शामिल हैं। मेट्रो अफसरों की माने तो स्टेशनों पर ही कार्ड मिलने लगेंगे। यात्रा में सुविधा और टिकट में कतार से बचने के लिए यात्री इसे खरीद सकेंगे।

टिकट खरीदने की आवश्यकता नहीं

मेट्रो प्रबंधन के अनुसार NCMC एक आधुनिक स्मार्ट कार्ड आधारित टिकटिंग सुविधा है, जिसके माध्यम से यात्रियों को बार-बार टिकट खरीदने की आवश्यकता नहीं होगी। यात्री अपने NCMC कार्ड का उपयोग मेट्रो स्टेशनों पर प्रवेश एवं निकास के लिए कर सकेंगे। इससे यात्रियों को टिकट काउंटरों पर कतार में लगने की आवश्यकता कम होगी और यात्रा अधिक सहज एवं समयबद्ध बनेगी।

भोपाल में 6 मेट्रो स्टेशन पर मिलेंगे कार्ड

यात्री भोपाल एवं इंदौर मेट्रो के सभी स्टेशनों पर उपलब्ध टिकट काउंटरों से NCMC कार्ड प्राप्त कर सकते हैं। कार्ड जारी करने का शुल्क मात्र ?50 निर्धारित है, जो नॉन-रिफंडेबल होगा। कार्ड प्राप्त करने के बाद यात्री उसमें आवश्यक राशि रिचार्ज कर मेट्रो यात्रा के लिए उपयोग कर सकेंगे।

भोपाल में 6 मेट्रो स्टेशन- सुभाषनगर, केंद्रीय स्कूल, डीबी मॉल, एमपी नगर, रानी कमलापति, डीआरएम तिराहा, अलकापुरी और एम्स पर ये सुविधा मिलेगी।



यात्री मात्र 30 सेकंड में प्राप्त कर रहे टिकट

भोपाल एवं इंदौर मेट्रो के स्टेशनों पर टिकट वेंडिंग मशीन (TVM) की सुविधा भी प्रारंभ की गई है। यात्री मशीन के माध्यम से स्वयं त्वरित टिकट प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए यात्री को 'Buy QR Ticket' विकल्प चुनकर गंतव्य स्टेशन का चयन करना होगा। इसके पश्चात स्क्रीन पर निर्धारित किराया प्रदर्शित होगा। यात्री UPI के माध्यम से QR कोड स्कैन कर भुगतान कर सकेंगे तथा भुगतान सफल होने पर मशीन से टिकट प्राप्त कर सकेंगे। इस प्रक्रिया में यात्रियों को लगभग 30 सेकंड में टिकट उपलब्ध हो सकेगा।

कार्ड से यात्रा पर 25% की छूट

यात्रियों को सिंगल जर्नी यात्रा पर पहले से प्रदान की जा रही 25 प्रतिशत की छूट, कार्ड पर यथावत रहेगी। यह छूट उन यात्राओं पर लागू होगी, जिनका निर्धारित किराया 20 से अधिक है। यह सुविधा भोपाल एवं इंदौर मेट्रो दोनों में उपलब्ध होगी।

यात्रियों को किराया छूट का लाभ

मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने यात्रियों को किराए में छूट भी दी है। 11 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2026 तक लागू इस व्यवस्था के अंतर्गत यात्रियों को विभिन्न टिकट श्रेणियों में छूट का लाभ मिल रहा है।

- **सिंगल जर्नी टिकट (SJT):** 25 प्रतिशत अतिरिक्त छूट।
- **रिटर्न जर्नी टिकट (RJT):** कुल 30 प्रतिशत छूट।
- **ग्रुप टिकट (GT):** कुल 35 प्रतिशत छूट।
- **ग्रुप टिकट सुविधा:** न्यूनतम 2 यात्रियों के लिए उपलब्ध।
- **ई-वॉलेट रिचार्ज बोनस:** रिचार्ज राशि के अनुसार 8 से 15 प्रतिशत तक बोनस।
- **छूट की वैधता:** 11 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2026 तक।
- 20 के सिंगल जर्नी टिकट पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत प्रमोशनल छूट लागू नहीं है।

13 नवंबर को वैराग्यधारियों की बिनोली और गोद भराई

आचार्य समय सागर महाराज के चातुर्मास निष्ठापन पर 15 नवंबर को कलश वितरण

विश्रुत सागर महाराज का होगा पिछी परिवर्तन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शहर में जैन संतों के सानिध्य में धार्मिक अनुष्ठान और पूजा-अर्चना जारी है। विधोदय तीर्थ में आचार्य समय सागर महाराज के दर्शन के लिए श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। आचार्य श्री ने अपने प्रवचन में सामाजिक समरसता, सहयोग और राष्ट्र के प्रति दायित्व निभाने का संदेश दिया। समिति के संयोजक मनोज बांगा एवं स्वागत अध्यक्ष अखिलेंद्र जैन ने बताया कि 15 नवंबर को दोपहर 1:30 बजे चातुर्मास निष्ठापन के बाद कलश वितरण होगा। वहीं जैन नगर लालघाटी में दोपहर 1 बजे उपाध्याय विश्रुत सागर महाराज का पिच्छी परिवर्तन होगा। इसके अलावा 13 नवंबर को वैराग्यधारियों की बिनोली और गोद भराई का आयोजन किया जाएगा।



नायब तहसीलदार भर्ती परीक्षा अब 10 जनवरी को

पुलिस आरक्षक और कोर्ट केस वाले अभ्यर्थी आज कर सकते हैं ऑनलाइन आवेदन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल ने विभागीय नायब तहसीलदार भर्ती परीक्षा 2026 की तारीख में बदलाव किया है। अब यह परीक्षा 14 नवंबर 2026 के बजाय 10 जनवरी 2027 को आयोजित की जाएगी।

पटवारी संघ की मांग को ध्यान में रखते हुए राजस्व विभाग की सहमति के बाद परीक्षा की तारीख आगे बढ़ाई गई है। कर्मचारी चयन मंडल ने बुधवार शाम इसकी सूचना जारी की।

पटवारी, आरआई और लिपिक वर्गीय कर्मचारियों के लिए परीक्षा: राजस्व मंडल, आयुक्त भू-अभिलेख, प्रमुख राजस्व आयुक्त, संभागायुक्त और कलेक्टर कार्यालयों में कार्यरत लिपिक वर्गीय सेवाओं के कर्मचारियों के साथ पटवारी एवं राजस्व निरीक्षक संवर्ग से नायब तहसीलदार पद पर सीमित प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से भर्ती की जानी है।

कर्मचारी चयन मंडल ने पुलिस आरक्षक, पुलिस आरक्षक (ड्राइवर), सूबेदार (स्टेनोग्राफर) और सहायक उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा में कोर्ट में याचिका लगाने वाले अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन का मौका दिया है। ऐसे उम्मीदवार गुरुवार 12 नवंबर तक आवेदन कर सकते हैं।



7500 पदों के लिए 7.54 लाख आवेदन आए

पुलिस आरक्षक के 7500 पदों के लिए अब तक करीब 7.54 लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं। कुछ अभ्यर्थियों ने भर्ती प्रक्रिया को लेकर हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। कोर्ट के निर्णय के अनुसार कर्मचारी चयन मंडल ने याचिकाकर्ताओं को आवेदन का अवसर दिया है। इसी तरह 1040 पदों के लिए पुलिस आरक्षक (ड्राइवर) भर्ती और सूबेदार (स्टेनोग्राफर) एवं सहायक उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा में भी कोर्ट केस वाले अभ्यर्थियों को आवेदन की अनुमति दी गई है।

आयुर्वेद इंटर्नशिप में फर्जी हाजिरी पर पहली बार 5 लाख, दूसरी बार 10 लाख जुर्माना, फिर डिग्री केंसिल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

आयुर्वेद के छात्रों के लिए इंटर्नशिप में लापरवाही अब बहुत महंगी पड़ेगी। भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग (एनसीआईएसएम) ने साफ कर दिया है कि इंटर्नशिप के दौरान फर्जी उपस्थिति लगाने या मिलीभगत से झूठी जानकारी देने पर छात्र को जुर्माना, निलंबन और डिग्री तक गंवानी पड़ सकती है।

आयोग ने भारत का राजपत्र एक मई 2024 में नियम जारी किए हैं। इसके अनुसार साढ़े चार वर्षीय आयुर्वेदाचार्य बीएएमएस के बाद एक वर्ष की इंटर्नशिप अनिवार्य है। यानी पूरी डिग्री साढ़े पांच वर्ष की होगी। इंटर्नशिप के दौरान छात्रों को संबद्ध अस्पताल में पूरी ईमानदारी से उपस्थित रहना होगा। अगर कोई छात्र अपेक्षित उपस्थिति पूरी किए बिना या संस्थान के साथ मिलीभगत से झूठी जानकारी देकर उपस्थिति गलत तरीके से दिखाता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। यह कार्रवाई भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग विनियम 2022 के तहत की जाएगी। इंटर्नशिप के दौरान छात्रों को सालभर में सिर्फ 12 दिन का अवकाश मिलेगा। मूल्यांकन प्रणाली छात्र के कौशल का आकलन करेगी। सूत्रों के अनुसार टीचिंग स्टाफ, नॉन टीचिंग स्टाफ और हॉस्पिटल स्टाफ के समान ही इंटर्न छात्रों की उपस्थिति मान्य होगी। बीएएमएस के तीनों प्रोफ उत्तीर्ण करने के बाद एक वर्ष की इंटर्नशिप होगी। किसी विशेष परिस्थिति में अधिकतम तीन वर्ष के भीतर इंटर्नशिप पूरी करनी होगी।



इस तरह होगी कार्रवाई

पहली बार दोषी पाए जाने पर छात्र को न्यूनतम एक वर्ष के लिए अस्थायी निलंबन के साथ पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

दूसरी बार दोषी होने पर सजा और बढ़ जाएगी। ऐसे छात्र को दो वर्ष के निलंबन के साथ 10 लाख रुपये का जुर्माना देना होगा।

तीसरी बार दोष सिद्ध होने पर छात्र का स्नातक कार्यक्रम से प्रवेश स्थायी रूप से रद्द कर दिया जाएगा। यानी उसकी डिग्री का सपना टूट जाएगा।

25 हजार से ज्यादा छात्र प्रभावित

मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, गुजरात, बिहार, उत्तराखंड, नई दिल्ली, छत्तीसगढ़ समेत देशभर में वर्ष 2025 तथा 2026 में 600 से ज्यादा आयुर्वेद कॉलेजों के 25 हजार से ज्यादा छात्र इंटर्नशिप कर रहे हैं अथवा एक माह के भीतर ज्वाइन करने वाले हैं। ऐसे में यह नियम लाखों छात्रों के भविष्य से जुड़ा है।

मेट्रो एंकर एमपी में ट्रेनों की रफ्तार को पंख... मार्च 2027 तक भोपाल तक विस्तार

बीना-भोपाल के बीच 64 किमी में ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग शुरू

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बीना-भोपाल रेलखंड पर सफर करने वाले यात्रियों के लिए आने वाले समय में ट्रेन परिचालन पहले से अधिक सुगम हो सकेगा। रेलवे इस रेलखंड पर ऐसी आधुनिक सिग्नलिंग व्यवस्था तैयार कर रहा है, जिससे एक ट्रेन के आगे बढ़ने के बाद दूसरी ट्रेन को आगे बढ़ाने के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग (ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग) प्रणाली के जरिए ट्रेनों की स्थिति के अनुसार सिग्नल अपने आप नियंत्रित होंगे। इससे एक ही रेल लाइन पर ट्रेनों की आवाजाही को बेहतर तरीके से संचालित किया जा सकेगा। पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल ने बीना से गुलाबगंज के बीच 64 किलोमीटर रेलखंड पर यह व्यवस्था शुरू कर दी है।

बीना-गुलाबगंज खंड में 44 ऑटो सिग्नल और 204 डिटेक्शन पॉइंट स्थापित: बीना-गुलाबगंज रेलखंड के अंतर्गत गंजबासौदा-पबई-गुलाबगंज के बीच स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग प्रणाली स्थापित करने का कार्य पूरा कर लिया गया है। इसके तहत 18.24 रूट किलोमीटर के रेलखंड (दोहरी लाइन के अनुसार 36.48 किलोमीटर) में आधुनिक सिग्नलिंग व्यवस्था स्थापित की गई है। इसमें 44 ऑटो सिग्नल और 204 डिटेक्शन पॉइंट लगाए गए हैं।



138 किमी में से 64 किमी तैयार

बीना से भोपाल के बीच कुल 138 किलोमीटर लंबे रेलखंड में से 64 किलोमीटर में काम पूरा हो चुका है। शेष 74 किलोमीटर गुलाबगंज से भोपाल के बीच स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग प्रणाली स्थापित करने का काम जारी है। रेलवे ने इसे मार्च 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है।

स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग प्रणाली से यात्रियों और रेलवे को मिलने वाले प्रमुख फायदे: ट्रेन की स्थिति के अनुसार सिग्नल अपने आप बदलेंगे, जिससे ट्रेनों को आगे बढ़ने में आसानी होगी। छोटे-छोटे सिग्नल सेक्शन बनने से एक ट्रेन के आगे बढ़ते ही दूसरी ट्रेन को भी आगे बढ़ाया जा सकेगा। रेल लाइन का बेहतर उपयोग होगा और अधिक ट्रेनों के संचालन की संभावना बढ़ेगी। सिग्नल के इंतजार में ट्रेनों के रुकने की समस्या कम करने में मदद मिलेगी। स्टेशन मास्टर स्क्रीन पर ट्रेनों की स्थिति और सिग्नलिंग व्यवस्था देख सकेंगे।

विंटर ड्रेस कोड: नगरीय सीमा के अफसरों-जवानों पर लागू होगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ठंड की दस्तक के साथ ही खाकी का स्वरूप बदलने जा रहा है। भोपाल कमिश्नरेट के सभी पुलिस अधिकारी और कर्मचारी 15 नवंबर से शीतकालीन गणवेश में नजर आएंगे। पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने बुधवार को इसके आदेश जारी किए।



जल्द ही प्रदेश के अन्य जिलों के पुलिस अधीक्षक भी इस संबंध में आदेश जारी करेंगे। आदेश के तहत नगरीय पुलिस जिला भोपाल की सभी इकाइयों, थानों और बटालियनों में तैनात पुलिसकर्मियों को अब अंगोला शर्ट (ऊनी खाकी शर्ट) और खाकी जर्सी (स्वेटर) पहनना अनिवार्य होगा। यह व्यवस्था पूरे विंटर सीजन के दौरान प्रभावी रहेगी। अनुशासन और एकरूपता: पुलिस में सभी की वर्दी एक जैसी रहे, इसलिए तय तारीख से विंटर ड्रेस लागू होती है। इससे अलग-अलग रंगों के स्वेटर और जैकेट पहनने की स्थिति नहीं बनती।

ठंड से बचाव: रात की गश्त, नाकाबंदी और खुले में ड्यूटी करने वाले पुलिसकर्मियों को ठंड से बचाने के लिए पुलिस मैनुअल के तहत नवंबर से फरवरी/मार्च तक विंटर ड्रेस का प्रावधान है।

क्या है अंगोला शर्ट: यह गर्म ऊनी या सेमी-वूलन खाकी कपड़े से बनती है। सामान्य वर्दी जैसी दिखती है, लेकिन ठंड से बचाती है।



स्वच्छता में मप्र का परचम, दिल्ली में हुआ सम्मान

स्वच्छता के क्षेत्र में मध्यप्रदेश ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट कार्यशैली और जनभागीदारी का परिचय दिया है। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में प्रदेश के शानदार प्रदर्शन पर नई दिल्ली में अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में आयोजित इस समारोह में नगरीय प्रशासन मंत्री, राज्य मंत्री, जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने सहभागिता की। यह उपलब्धि प्रदेश के नगरीय निकायों, स्वच्छता कर्मियों और नागरिकों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। स्वच्छता के प्रति समर्पण और बेहतर प्रबंधन ने मध्यप्रदेश को नई पहचान दिलाई है।

विधानसभा में बदलेगा कामकाज का अंदाज

विधायकों के सवालों पर चलेगा एआई का दिमाग!

भोपाल, दोपहर मेट्रो

विधानसभा में अब तकनीक के इस्तेमाल से सदन की कार्यप्रणाली को और आसान, तेज तथा व्यवस्थित बनाने की तैयारी है। विधायकों द्वारा पूछे जाने वाले लंबे और जटिल सवालों को छोटा करने के लिए एआई की मदद ली जा सकती है। इसके लिए विधानसभा अधिकारियों को तकनीक का प्रदर्शन भी दिया गया, जिसमें बताया गया कि किस तरह बड़े प्रश्नों को कम शब्दों में व्यवस्थित और संक्षिप्त किया जा सकता है। आने वाले समय में विधानसभा की कार्यवाही से लेकर विभिन्न प्रशासनिक प्रक्रियाओं तक में इस आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल बढ़ाने पर विचार किया जा रहा है।

लंबे सवालों को छोटा करने में मिलेगी मदद

विधानसभा में कई बार विधायकों की ओर से पूछे जाने वाले प्रश्न काफी लंबे और विस्तृत होते हैं। ऐसे में प्रश्नों को व्यवस्थित करने और उनकी भाषा को संक्षिप्त बनाने में समय लगता है। अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जरिए इस प्रक्रिया को सरल बनाने की संभावना तलाशी जा रही है। अधिकारियों को दिए गए प्रदर्शन में प्रश्नावली के लंबे सवालों को तकनीक की मदद से संक्षिप्त करने की प्रक्रिया समझाई गई।

मुख्यमंत्री करेंगे डही माइक्रो लिफ्ट इरीगेशन प्रोजेक्ट का लोकार्पण

बिरसा मुंडा जयंती पर मप्र को 1353 करोड़ की सौगात, 126 गांवों की बदलेगी तस्वीर!

भोपाल, दोपहर मेट्रो

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती और राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश सरकार 14, 15 और 16 नवंबर को तीन दिवसीय भव्य राज्यस्तरीय समारोह आयोजित करने जा रही है। इस दौरान प्रदेश के जनजातीय अंचलों में विकास, कृषि और जनकल्याण से जुड़े कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम होंगे। समारोह में राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की विशेष उपस्थिति रहेगी। वहीं, 15 नवंबर को धार में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करेंगे।

जनजातीय गौरव दिवस के तहत 14 नवंबर को जबलपुर, 15 नवंबर को धार और जोबट (आलीराजपुर) तथा 16 नवंबर को खंडवा में राज्यस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। धार में मुख्यमंत्री रोड शो कर ग्रामीणों से संवाद करेंगे और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन का फीडबैक लेंगे। इसके अलावा पात्र हितग्राहियों को मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना के तहत प्लॉट और मकानों की रजिस्ट्री का लाभ भी दिलाया जाएगा।

इस समारोह का सबसे बड़ा आकर्षण डही माइक्रो लिफ्ट इरीगेशन परियोजना का लोकार्पण होगा। करीब 1353.18 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस महत्वाकांक्षी परियोजना से धार और आलीराजपुर जिले के 126 गांवों की कृषि तस्वीर बदलने की उम्मीद है। परियोजना के माध्यम से दोनों जिलों की करीब 47 हजार हेक्टेयर कृषि भूमि को रबी सीजन में सिंचाई सुविधा मिलेगी। इससे लगभग 1 लाख 26 हजार किसानों को लाभ पहुंचेगा।



पांच तहसीलों के किसानों को मिलेगी सिंचाई सुविधा

परियोजना के तहत धार जिले की कुक्षी तहसील में 13,180 हेक्टेयर और डही तहसील में 15,895 हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी। वहीं आलीराजपुर जिले की जोबट तहसील में 15,963 हेक्टेयर, सोंडवा में 1,759 हेक्टेयर और आलीराजपुर तहसील में 1,958 हेक्टेयर भूमि को स्थायी सिंचाई सुविधा मिलेगी। नर्मदा नदी के जल को आधुनिक पंपिंग सिस्टम और भूमिगत पाइपलाइन के जरिए खेतों तक पहुंचाया जाएगा। परियोजना में पांच पंप हाउस, लगभग 58 किलोमीटर राइजिंग मेन और अत्याधुनिक वितरण पाइपलाइन का निर्माण किया गया है। इससे गेहूं, चना और सब्जियों सहित विभिन्न फसलों के उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा।

किसानों को आधुनिक खेती का प्रशिक्षण भी

सरकार परियोजना के साथ किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ने की भी तैयारी कर रही है। इसके तहत 11 से 15 नवंबर तक 85 ग्राम पंचायतों में कृषि चौपाल और कृषि पाठशालाएं आयोजित होंगी। इनमें जल प्रबंधन, सूक्ष्म सिंचाई, फसल विविधीकरण और वैज्ञानिक खेती की जानकारी दी जाएगी। धार में आयोजित समारोह स्थल पर स्मार्ट किसान एवं प्रेसिजन फार्मिंग की लाइव प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। इसमें कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन और मत्स्य पालन विभाग आधुनिक तकनीकों का प्रदर्शन करेंगे।

88 जनजातीय विकासखंडों में होंगे कार्यक्रम

जनजातीय गौरव दिवस को लेकर शासन ने प्रदेश के सभी जिलों में विशेष आयोजन के निर्देश जारी किए हैं। प्रदेश के 88 जनजातीय विकासखंडों में भगवान बिरसा मुंडा की गौरवगाथा और जनजातीय नायकों के योगदान पर कार्यक्रम होंगे। स्कूलों, छात्रावासों और आश्रम शालाओं में 15 नवंबर को जयंती मनाई जाएगी। वहीं 16 से 18 नवंबर तक सांस्कृतिक कार्यक्रम, जनजातीय नृत्य, नाटक, संगीत, चित्रकला, निबंध और भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी।

एपीसी, बीआरसी, बीएसी और सीएसी चयन प्रक्रिया का विरोध

उच्च पद का प्रभार संभाल रहे शिक्षकों को मौका नहीं, संगठन ने मांगी जानकारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में उच्च पद के प्रभार पर कार्यरत शिक्षकों को राज्य शिक्षा केंद्र की ओर से आयोजित एपीसी, बीआरसी, बीएसी और सीएसी चयन प्रक्रिया में शामिल नहीं किए जाने पर मध्यप्रदेश शासकीय शिक्षक संगठन ने आपत्ति जताई है। संगठन का कहना है कि यदि विभागीय नियमों में उच्च पद का प्रभार संभाल रहे शिक्षकों को चयन प्रक्रिया में शामिल करने का प्रावधान है, तो उन्हें इससे वंचित करना उचित नहीं है। वहीं, यदि इस पर कोई प्रतिबंध है, तो विभाग को उसका स्पष्ट वैधानिक आधार सार्वजनिक करना चाहिए।

संगठन के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र कौशल ने बुधवार को कहा कि प्रदेश में कई शिक्षक शासन के नियमानुसार उच्च पद का प्रभार संभालकर अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। ऐसे में प्राथमिक शिक्षक से माध्यमिक शिक्षक, माध्यमिक शिक्षक से उच्च माध्यमिक शिक्षक या सहायक शिक्षक से उच्च श्रेणी शिक्षक का प्रभार संभाल रहे शिक्षकों को केवल इसी आधार पर एपीसी, बीआरसी, बीएसी और सीएसी जैसे शैक्षणिक एवं प्रशासनिक पदों की चयन प्रक्रिया से बाहर रखना अन्यायपूर्ण है।

कौशल ने कहा कि जब शासन शिक्षकों को उच्च पद का प्रभार देकर उसी के अनुरूप काम ले रहा है, तो चयन प्रक्रिया में उसी प्रभार को उनकी अपात्रता का आधार बनाना न्यायसंगत नहीं है। विभाग को इस संबंध में स्पष्ट, समान और पारदर्शी नीति अपनानी चाहिए। इस मामले में संगठन ने राज्य शिक्षा केंद्र, भोपाल के लोक सूचना अधिकारी को सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत आवेदन देकर जानकारी मांगी है। कौशल ने स्पष्ट किया कि संगठन का उद्देश्य चयन प्रक्रिया का विरोध करना नहीं, बल्कि सभी पात्र शिक्षकों को समान अवसर और न्यायसंगत अधिकार दिलाना है।

संगठन की मांग है कि उच्च पद का प्रभार संभाल रहे शिक्षकों की एपीसी, बीआरसी, बीएसी और सीएसी चयन प्रक्रिया में पात्रता को लेकर राज्य शिक्षा केंद्र तत्काल स्पष्ट नीति जारी करे। साथ ही, किसी भी शिक्षक को ठोस वैधानिक आधार के बिना चयन प्रक्रिया से बाहर नहीं किया जाए।



इन पांच बिंदुओं पर मांगी जानकारी

1. क्या उच्च पद का प्रभार संभाल रहे शिक्षक राज्य शिक्षा केंद्र के डीपीसी, एपीसी, बीआरसी, बीएसी और सीएसी पदों के लिए आवेदन करने की वैधानिक पात्रता रखते हैं? इस संबंध में विभागीय नियम और नीति-निर्देश उपलब्ध कराए जाएं।
2. क्या जिला परियोजना समन्वयक की परीक्षा और चयन प्रक्रिया में उच्च पद का प्रभार संभाल रहे उच्च माध्यमिक शिक्षकों को शामिल किया गया था? यदि हां, तो संबंधित नियम और निर्देश दिए जाएं।
3. वर्ष 2026 की एपीसी/बीआरसी चयन परीक्षा में उच्च पद का प्रभार संभाल रहे उच्च माध्यमिक शिक्षकों को अपात्र घोषित करने का वैधानिक आधार और संबंधित आदेश उपलब्ध कराया जाए।
4. यदि ऐसे शिक्षक एपीसी/बीआरसी पदों के लिए अपात्र हैं, तो प्रदेश के विभिन्न जिलों में उच्च पद का प्रभार संभाल रहे शिक्षकों को बीएसी/सीएसी पदों पर किस नियम के तहत नियुक्तियां दी गई हैं?
5. अगस्त 2025 से आवेदन की तारीख तक प्रदेश के सभी जिलों में उच्च पद का प्रभार संभाल रहे कितने शिक्षकों को डीपीसी, बीएसी और सीएसी पदों पर नियुक्त किया गया है? इसकी जिलावार जानकारी दी जाए।

चार माह पहले आईपीएस बनीं तीन महिला अधिकारियों को नहीं मिली पदस्थापना

55 जिलों में मैदानी पोस्टिंग से प्रमोटी महिला IPS गायब, रिटायरमेंट के बाद खाली फील्ड

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल। प्रदेश के 55 जिलों में पुलिस अधीक्षक के अतिरिक्त रेंज डीआईजी और आईजी के पदों पर एक भी प्रमोटी महिला आईपीएस अधिकारी की पदस्थापना नहीं है। हालांकि, सीधी भर्ती की तीन महिला अधिकारी जिलों में पुलिस अधीक्षक की जिम्मेदारी निभा रही हैं, फील्ड में ऊपर के पदों पर भी हैं। उधर, कलेक्टर पदों को देखें तो 12 जिलों में महिला अधिकारियों को वर्तमान में जिम्मेदारी दी गई है, जिनमें छह प्रमोटी आइएएस हैं।

सागर रेंज की आइजी रहीं हिमानी खन्ना और शहडोल रेंज की डीआइजी सविता सोहाने की इसी वर्ष क्रमशः मार्च और अप्रैल में सेवानिवृत्ति के बाद मैदानी पदस्थापना में कोई प्रमोटी आइपीएस अधिकारी अब नहीं हैं। एक रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी का कहना है कि कई वर्षों बाद संभवतः ऐसा देखने को मिल रहा है जब मैदानी पदस्थापना में कोई प्रमोटी महिला अधिकारी नहीं है।



मुख्यालय और अन्य आयोगों में सीमित दायित्व

प्रमोटी आइपीएस अधिकारी किरणलता केरकेट्टा पुलिस मुख्यालय में शिकायत शाखा में डीआइजी हैं। श्रद्धा तिवारी को भोपाल में उप पुलिस आयुक्त (मुख्यालय) की जिम्मेदारी दी गई है। रसना ठाकुर मानवाधिकार आयोग में पदस्थ हैं। उन्हें मऊगंज पुलिस अधीक्षक के पद से वहां पुलिस पर हमले के बाद हटाया गया था।

चीतों की चिंता: गांवों में रहेंगे दो वनकर्मी

ग्वालियर। चीता शावक के शिकार के बाद उनकी सुरक्षा व निगरानी बढ़ाने के लिए नए उपाय लागू किए जाएंगे। चीतों की निगरानी केवल कूनो नेशनल पार्क के कर्मचारियों और कॉलर आईडी के भरोसे नहीं रहेगी बल्कि इसमें सामान्य वनमंडल के मैदानी अमले से लेकर गांवों के युवाओं की भी सहायता ली जाएगी। जंगल और आसपास आबादी क्षेत्र में चीतों की निगरानी के लिए वन विभाग के दो कर्मचारी गांव में ही स्थायी रूप से रहेंगे। इससे ग्रामीणों को जागरूक भी किया जा सकेगा कि वे चीते को कोई हानि न पहुंचाएं। हर गांव से एक युवक को तकनीकी रूप से प्रशिक्षित कर उसे चीते की कॉलर आईडी की रेडियो फ्रिक्वेंसी समझना बताया जाएगा।

दिग्गी के बयान पर बीजेपी विधायक का पलटवार

शर्मा ने पटवारी को सतर्क रहने की दी सलाह, भूरिया जमुना देवी और सुभाष यादव का दिया उदाहरण

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह द्वारा 2028 का विधानसभा चुनाव जीतू पटवारी और उमंग सिंघार के नेतृत्व में लड़े जाने के बयान पर बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने तीखा पलटवार किया है। रामेश्वर शर्मा ने दिग्विजय सिंह पर तंज कसते हुए उन्हें देश की राजनीति का सबसे बड़ा षड्यंत्रकारी नेता करार दिया और पीसीसी चीफ जीतू पटवारी को उनसे सावधान रहने की चेतावनी दी।

रामेश्वर शर्मा ने कहा कि दिग्विजय सिंह नेताओं को सीधे पेड़ पर नहीं, बल्कि चने के झाड़ पर चढ़ाते हैं। उन्होंने जीतू पटवारी को पहले भी कई बार चढ़ाकर नीचे उतारा है और अब एक बार फिर उन्हें झाड़ पर चढ़ा दिया है।



पतंग की डोरी ढीली कर मांझे से काट देते हैं- दिग्विजय सिंह की कार्यशैली पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि राजा साहब का काम पहले पतंग की डोरी ढीली छोड़ना और फिर मांझे से उसे कटवा देना है।

रातों-रात खुद बन बैठे थे मुख्यमंत्री

इतिहास का हवाला देते हुए विधायक ने दावा किया कि दिग्विजय सिंह ने पहले भी आदिवासी नेता कांतिलाल भूरिया को सीएम बनाने की बात कही थी, लेकिन रातों-रात खुद मुख्यमंत्री बन बैठे। इसी तरह उन्होंने स्वर्गीय जमुना देवी और सुभाष यादव को भी कभी मुख्यधारा में आगे नहीं आने दिया।

मध्य प्रदेश के युवाओं के लिए बड़ी खुशखबरी!

2027 में दो बार होगी राज्य सेवा परीक्षा, नौकरियों में आएगी तेजी

इंदौर, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा वर्ष 2027 को युवा वर्ष घोषित किए जाने के बाद प्रदेश सरकार ने युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से वर्ष 2027 में दो बार राज्य सेवा परीक्षा आयोजित करने की तैयारी की जा रही है। सरकार का उद्देश्य प्रदेश के विभिन्न विभागों में लंबे समय से खाली पड़े पदों को भरना और लंबित भर्तियों की प्रक्रिया को गति देना है।

इस पहल से उन हजारों अभ्यर्थियों को राहत मिलने की उम्मीद है, जो लंबे समय से सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं और नई भर्ती परीक्षाओं का इंतजार कर रहे हैं। सरकार अब विभागों से रिक्त पदों की जानकारी जुटाकर भर्ती की रूपरेखा तैयार करने में जुट गई है।

सभी विभागों से मांगा खाली पदों का ब्योरा

मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप सामान्य प्रशासन विभाग ने प्रदेश के सभी सरकारी विभागों को रिक्त पदों की जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही विभागों से भर्ती के लिए आवश्यक मांगपत्र भी ऑनलाइन माध्यम से भेजने को कहा गया है। इस संबंध में आज दोपहर 3 बजे मंत्रालय स्थित वल्लभ भवन में महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई है। बैठक की अध्यक्षता सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव करेंगे।

मेट्रो एंकर — चंबल के बीहड़ों की किसानों ने बदली तस्वीर

खुद के खर्च और मेहनत से ऊबड़-खाबड़ जमीन को बनाया उपजाऊ

भिंड, दोपहर मेट्रो

चंबल के बीहड़ कभी दस्यु समस्या, ऊबड़-खाबड़ जमीन और दुर्गम रास्तों के लिए पहचाने जाते थे। यहां कभी बंदूकों की गूंज सुनाई देती थी, लेकिन अब यहां ट्रैक्टरों की आवाज और खेतों में लहलहाती फसलें बदलाव की नई कहानी लिख रही हैं। किसानों ने अपने हौसले और मेहनत के दम पर अनुपयोगी बीहड़ भूमि को समतल कर खेती योग्य बना दिया है। जिले में करीब 20 हजार हेक्टेयर बीहड़ भूमि समतल होने के बाद यहां गेहूं, चना, सरसों, बाजरा सहित कई फसलें उगाई जा रही हैं।

खास बात यह है कि इस बदलाव में किसानों ने सरकारी मदद का इंतजार करने के बजाय अपनी जेब से पैसा खर्च कर जमीन की सूरत बदली है।



बीहड़ समतल कर लगाए फलदार पेड़, मिट्टी का कटाव भी रोका

गोरमी के हरीक्षा गांव के किसान महेश सिंह ने करीब पांच बीघा बीहड़ भूमि को समतल कर खेती योग्य बनाया है। उन्होंने खेत के चारों ओर छायादार और फलदार पौधे भी लगाए हैं। इससे बारिश के दौरान मिट्टी का कटाव कम हुआ है। गोरमी क्षेत्र के सिलोली और हरीक्षा गांव में भी किसानों ने करीब 100 से 150 बीघा बीहड़ भूमि को समतल कर खेती शुरू की है। कृषि विभाग के उप संचालक रामसुजान शर्मा ने बताया कि जिले में करीब 20 हजार हेक्टेयर बीहड़ भूमि समतल होने से कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इससे फसल उत्पादन का रकबा बढ़ा है और किसानों की आर्थिक स्थिति भी मजबूत हुई है। किसानों ने अपने प्रयासों से अनुपयोगी भूमि को खेती योग्य बनाकर कृषि विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

रौन क्षेत्र के इंदुर्खी, गोरम, भारौली, महायर, रेंमजा, मुसावली, बिलाव, श्यामपुरा, खैरा, बहादुरपुरा, गढ़ी-हरीक्षा और टेहनगुर सहित कई गांवों में सिंध नदी के किनारे किसानों ने बीहड़ों का समतलीकरण किया है। इसी तरह क्वारी नदी के आसपास भी किसानों ने ट्रैक्टर और जेसीबी की मदद से बीहड़ों की कटाई, मिट्टी का भराव और खेतों का समतलीकरण कराया और फसलें उगाना शुरू कर दिया।

आजादी के बाद केंद्र सरकार ने भिंड, मुरैना और श्योपुर में 68 हजार 833 हेक्टेयर बीहड़ भूमि को कृषि योग्य बनाने की योजना बनाई थी। इसके बाद राज्य सरकार ने चंबल बहुउद्देशीय परियोजना, जय किसान उपयोजना, ग्रीन-एजी परियोजना, भूमि सुधार, पौधारोपण और औद्योगिक विकास जैसी योजनाएं शुरू कीं, हालांकि कई परियोजनाएं योजनाओं और समीक्षा बैठकों तक सीमित रह गईं। दूसरी ओर किसानों ने निजी खर्च पर समतलीकरण का काम जारी रखा।

दो बीघा बीहड़ समतल करने में 20 हजार खर्च, खेती से 35 हजार का लाभ- निवसाई के किसान राजेंद्र सिंह बताते हैं कि सिंध नदी के पास खेत से लगी करीब दो बीघा बीहड़ भूमि को खेती योग्य बनाने के लिए 15 से 20 हजार रुपये खर्च हुए। इसके बाद जमीन पर सरसों की बोवनी की। पहली फसल से करीब 35 से 40 हजार रुपये की आमदनी हुई। अब जमीन हर साल आमदनी का जरिया बन गई है।

देश को सच बताए सरकार

देश में पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने की नीति को लेकर एक बार फिर विवाद खड़ा हो गया है। कर्नाटक सहित कांग्रेस शासित कुछ राज्यों में इस मुद्दे पर सवाल उठाए जा रहे हैं। कहीं वाहनों के इंजन पर इसके संभावित प्रभाव की चिंता है तो कहीं किसानों और आम उपभोक्ताओं के हितों को लेकर आशंकाएं जताई जा रही हैं। ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से शुरू की गई एक महत्वपूर्ण पहल का राजनीतिक विवाद में बदलना दुर्भाग्यपूर्ण है। केंद्र सरकार को आरोप-प्रत्यारोप में उलझने के बजाय देश के सामने पूरी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को बढ़ावा देने के पीछे सरकार की मंशा अच्छी है। इससे कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता घटाने, विदेशी मुद्रा बचाने, प्रदूषण कम करने और गन्ना उत्पादक किसानों को अतिरिक्त बाजार उपलब्ध कराने जैसे उद्देश्य जुड़े हैं। लेकिन किसी नीति का उद्देश्य अच्छा होना ही उसकी सफलता की गारंटी नहीं है। उसका व्यावहारिक असर भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

ताजा विवाद में कर्नाटक सरकार ने पेट्रोल के नमूनों की जांच के आधार पर निर्धारित 20 प्रतिशत से अधिक इथेनॉल मिलाए जाने की आशंका जताई है। राज्य के कुछ नमूनों में इथेनॉल की मात्रा 31.2 प्रतिशत तक मिलने का दावा किया गया है। दूसरी ओर तेल कंपनियों ने इन निष्कर्षों को खारिज करते हुए अपनी जांच में निर्धारित मानकों के पालन की बात कही है। ऐसे में सवाल यह है कि सही कौन है और गलत कौन? आम उपभोक्ता के लिए दोनों पक्षों के दावों से अधिक महत्वपूर्ण पेट्रोल की वास्तविक गुणवत्ता है।

केंद्र सरकार को चाहिए कि इस पूरे मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच कराए। मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं से पेट्रोल के नमूनों की जांच हो और उसके परिणाम सार्वजनिक किए जाएं। यदि कहीं निर्धारित मात्रा से अधिक इथेनॉल मिलाया जा रहा है तो संबंधित कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई हो। साथ ही वाहन मालिकों की उन आशंकाओं का भी तकनीकी आधार पर जवाब दिया जाए कि इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल से पुराने वाहनों के इंजन, ईंधन प्रणाली और माइलेज पर क्या असर पड़ सकता है। वाहन निर्माताओं को भी स्पष्ट करना चाहिए कि कौन-सा वाहन किस अनुपात के इथेनॉल मिश्रण के अनुकूल है।

इथेनॉल नीति के साथ किसानों की आमदनी, चीनी उद्योग, मक्का उत्पादकों और देश की ऊर्जा सुरक्षा के हित जुड़े हैं। इसलिए राजनीतिक विरोध के कारण इस नीति को खारिज करना उचित नहीं होगा। लेकिन इसके लाभ गिनाकर उपभोक्ताओं की चिंताओं को नजरअंदाज करना भी गलत है।

सरकार को विपक्ष के आरोपों का राजनीतिक जवाब देने के बजाय जनता के सवालों का तथ्यात्मक जवाब देना चाहिए। पेट्रोल खरीदने वाला नागरिक यह जानने का हक रखता है कि उसे किस गुणवत्ता का ईंधन मिल रहा है। ऊर्जा आत्मनिर्भरता का लक्ष्य तभी सार्थक होगा, जब उसके साथ उपभोक्ता का भरोसा भी कायम रहे। इथेनॉल पर सियासत बाद में हो सकती है, पहले सरकार देश को सच बताए।

मुंगेर की छठ परंपरा

सीताचरण, मुद्गल ऋषि और गंगा से शारदा सिन्हा के गीतों तक

कुमार कृष्णन
स्तंभकार



बिहार में छठ केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति, लोकजीवन, कृषि संस्कृति और सामाजिक समरसता से जुड़ी ऐसी परंपरा है, जिसमें सूर्य और जल के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की जाती है। लेकिन बिहार के मुंगेर में छठ का महत्व एक विशिष्ट ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक संदर्भ के कारण और बढ़ जाता है। यहां गंगा के बीच स्थित सीताचरण, महर्षि मुद्गल की परंपरा, उत्तरवाहिनी गंगा की धार्मिक मान्यता और लोकगायिका शारदा सिन्हा के गीतों में मुंगेर का उल्लेख इस पर्व को एक अलग पहचान प्रदान करते हैं। मुंगेर की छठ परंपरा को समझना दरअसल बिहार की लोकस्मृति, धार्मिक आख्यान और सांस्कृतिक विरासत को समझना भी है।

मुंगेर की छठ परंपरा का सबसे विशिष्ट पक्ष गंगा के बीच स्थित सीताचरण मंदिर है। गंगा की धारा के बीच एक विशाल शिलाखंड पर बने चरणचिह्नों को स्थानीय श्रद्धालु माता सीता के चरणचिह्न मानते हैं। इस स्थान को सीताचरण अथवा मणिपाषाण के नाम से भी जाना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, माता सीता ने यहां महर्षि मुद्गल के आश्रम में रहकर सूर्योपासना की थी। उन्होंने अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर छठ का व्रत किया था। इसी मान्यता के कारण सीताचरण का महत्व छठ के अवसर पर विशेष रूप से बढ़ जाता है।



इस परंपरा का एक महत्वपूर्ण धार्मिक संदर्भ आनंद रामायण में मिलता है। स्थानीय शोधकर्ताओं और इस विषय पर उपलब्ध विवरणों के अनुसार, आनंद रामायण के सीता और मुद्गल प्रसंग में इस क्षेत्र से जुड़ी मान्यता का उल्लेख किया जाता है। कथा के अनुसार, रावण वध के बाद भगवान राम और माता सीता महर्षि मुद्गल के आश्रम पहुंचे थे। महर्षि मुद्गल ने माता सीता को सूर्योपासना करने का निर्देश दिया। इसके बाद उन्होंने सूर्यदेव की आराधना की। इसी प्रसंग को मुंगेर की छठ परंपरा से जोड़ा जाता है। आनंद रामायण का प्रसंग धार्मिक आख्यान का स्रोत है, आधुनिक इतिहास की तरह किसी घटना की स्वतंत्र तिथि और पुरातात्विक पुष्टि नहीं।मुंगेर में छठ की एक विशिष्ट स्थानीय परंपरा विद्यमान है, जिसे माता सीता और महर्षि मुद्गल की कथा से जोड़ा जाता है। इस संदर्भ में 1926 में प्रकाशित मुंगेर जिला गजेटियर महत्वपूर्ण दस्तावेज है। इसमें गंगा के बीच स्थित उस शिलाखंड और चरणचिह्नों का उल्लेख मिलता है, जिन्हें स्थानीय परंपरा में माता सीता के चरण माना जाता रहा है। गजेटियर का महत्व इस बात में है कि वह इस धार्मिक-सांस्कृतिक मान्यता के पुराने अस्तित्व का दस्तावेजी संदर्भ उपलब्ध कराता है। इससे स्पष्ट होता है कि सीताचरण की परंपरा हाल के वर्षों में विकसित हुई कोई नई जनश्रुति नहीं है। हालांकि, गजेटियर में किसी धार्मिक मान्यता का उल्लेख उस कथा की ऐतिहासिक सत्यता का अंतिम प्रमाण नहीं माना जा सकता। मुंगेर का संबंध महर्षि मुद्गल से जोड़ने वाली परंपरा यहां के नामकरण को लेकर भी महत्वपूर्ण है। स्थानीय मान्यता और पुराने विवरणों में इस क्षेत्र को मुद्गलपुर अथवा मुद्गलगिरि कहा गया है। समय के साथ नाम के परिवर्तित होकर मुंगेर बनने की व्याख्या भी प्रचलित है। स्थानीय ऐतिहासिक विवरणों में मुद्गल ऋषि से जुड़ी इस परंपरा का संदर्भ मिलता है। इससे मुंगेर की सांस्कृतिक पहचान में ऋषि परंपरा की उपस्थिति का पता चलता है। इस प्रकार छठ की स्थानीय कथा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं रहती, बल्कि क्षेत्र की प्राचीन सांस्कृतिक स्मृति से भी जुड़ जाती है। मुंगेर की दूसरी बड़ी विशेषता उत्तरवाहिनी गंगा है। कष्टहरणी घाट के सामने गंगा की धारा उत्तर दिशा की ओर मुड़ती है। धार्मिक मान्यता में उत्तरवाहिनी गंगा को विशेष पवित्र माना जाता है। कष्टहरणी घाट का नाम भी अपने भीतर एक अर्थ समेटे हुए है। मान्यता है कि यहां स्नान करने से मनुष्य के कष्ट दूर होते हैं। इस घाट का धार्मिक महत्व रामायणकालीन लोकमान्यताओं और स्थानीय ऋषि परंपरा से भी जोड़ा जाता है। गंगा के इस स्वरूप ने मुंगेर को धार्मिक दृष्टि से विशिष्ट पहचान दी है। कष्टहरणी घाट और सीताचरण का आपसी संबंध मुंगेर की छठ परंपरा को और विशिष्ट बनाता है। एक ओर गंगा का पवित्र तट है, दूसरी ओर नदी के बीच वह शिलाखंड है, जिसे माता सीता की सूर्योपासना से जोड़ा जाता है। छठ के अवसर पर श्रद्धालु नावों से सीताचरण पहुंचते हैं और वहां सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करते हैं। गंगा की धारा, नावों की आवाजाही, व्रतियों के गीत और सूर्य को अर्पित किए जाने वाले अर्घ्य के बीच लोकआस्था का ऐसा वातावरण निर्मित होता है, जो मुंगेर की धार्मिक संस्कृति का विशिष्ट परिचय देता है।

डूबते सूर्य को अर्घ्य देना और अगली सुबह उगते सूर्य की आराधना करना छठ के जीवन-दर्शन का सबसे सुंदर पक्ष है। यह परंपरा सिखाती है कि समाज को केवल उगते सूर्य का सम्मान नहीं करना चाहिए, बल्कि अस्त होते सूर्य के प्रति भी कृतज्ञ रहना चाहिए। मुंगेर में गंगा के बीच स्थित सीताचरण इस लोकदर्शन को एक विशिष्ट धार्मिक स्मृति प्रदान करता है, जबकि शारदा सिन्हा के गीत इसे लोकस्वर देते हैं। यहां छठ केवल सूर्य की पूजा नहीं, बल्कि प्रकृति, नारी-संकल्प, सामाजिक एकता, लोकसंगीत और ऐतिहासिक विरासत के प्रति सम्मान का उत्सव है। यही मुंगेर की छठ परंपरा की असली विशेषता है।

शारदा सिन्हा के गीत को केवल एक अतिरिक्त उल्लेख नहीं, बल्कि मुंगेर की लोकसांस्कृतिक पहचान के प्रमाण के रूप में शामिल किया गया है। उनके अपने कलाकार परिचय में इस गीत और गुरु पन्ना देवी से इसे सीखा। गीत की पंक्ति 'मोरा भैया जाएला महंगा मुंगेर' का अर्थ और उसका लोकसंदर्भ भी महत्वपूर्ण है। इसमें बहन अपने भाई से छठ के लिए गेहूं, केला और नींबू लाने को कहती है। इस तरह मुंगेर का उल्लेख छठ की खरीदारी और पारिवारिक लोकजीवन के प्रसंग में आता है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

घटती प्रजनन दर और बदलती जनसंख्या नीति

जनसंख्या नियंत्रण नहीं, मानव विकास और भविष्य की तैयारी है समय की मांग

डॉ. सत्यवान सौरभ
स्तंभकार



भारत की जनसंख्या लंबे समय तक सार्वजनिक नीतियों, राजनीतिक विमर्श और आर्थिक नियोजन का प्रमुख विषय रही है। बढ़ती आबादी को संसाधनों पर दबाव, बेरोजगारी, गरीबी और पर्यावरणीय संकट का कारण मानते हुए जनसंख्या नियंत्रण की मांग समय-समय पर उठती रही है। किंतु आज भारत एक ऐसे जनसांख्यिकीय परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, जहां बढ़ती जनसंख्या के बजाय घटती प्रजनन दर, वृद्ध होती आबादी और क्षेत्रीय असमानताएं नई चुनौतियों के रूप में सामने आ रही हैं। ऐसे में जनसंख्या नियंत्रण कानूनों की आवश्यकता पर पुनर्विचार करना समय की मांग है।

भारत की कुल प्रजनन दर अर्थात टोटल फर्टिलिटी रेट (टीएफआर) लगभग 1.9 तक पहुंच चुकी है, जो जनसंख्या के स्थिर प्रतिस्थापन स्तर 2.1 से कम है। इसका अर्थ है कि औसतन एक महिला अपने जीवनकाल में इतनी संतानों को जन्म नहीं दे रही, जिससे अगली पीढ़ी में जनसंख्या का स्वाभाविक प्रतिस्थापन हो सके। हालांकि भारत की कुल आबादी अभी बढ़ रही है, लेकिन इसके पीछे बड़ी युवा आबादी और जनसंख्या की संरचनात्मक गति का योगदान है। भविष्य में प्रजनन दर में लगातार गिरावट जनसंख्या वृद्धि की गति को धीमा कर सकती है और अंततः आबादी के स्थिर होने अथवा घटने की स्थिति पैदा कर सकती है। प्रजनन दर में गिरावट कोई अचानक घटित घटना नहीं है। शिक्षा का विस्तार, महिलाओं की सामाजिक स्थिति में सुधार, गर्भनिरोधक साधनों की उपलब्धता, शहरीकरण, विवाह की बढ़ती उम्र और परिवार के आकार के प्रति बदलती प्राथमिकताएं इसके प्रमुख कारण हैं। आज अधिकांश परिवार बच्चों की संख्या के बजाय उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता को अधिक महत्व देने लगे हैं। आर्थिक अनिश्चितता, आवास की बढ़ती लागत और बच्चों की परवरिश पर होने वाला खर्च भी छोटे परिवारों की प्रवृत्ति को मजबूत कर रहा है। भारत की जनसंख्या में दूसरा महत्वपूर्ण परिवर्तन वृद्धावस्था की ओर बढ़ना है। आने वाले वर्षों में 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के नागरिकों का अनुपात तेजी से बढ़ने की संभावना है। वर्ष 2036 तक वृद्धजन आबादी लगभग 15 प्रतिशत के आसपास पहुंचने का अनुमान विभिन्न जनसंख्या अध्ययनों में व्यक्त किया गया है। यह परिवर्तन स्वास्थ्य सेवाओं, पेंशन व्यवस्था, सामाजिक सुरक्षा और पारिवारिक देखभाल की नीतियों पर व्यापक प्रभाव डालेगा। जिस समाज में कभी बड़ी युवा आबादी को आर्थिक शक्ति माना जाता था, वहां भविष्य में वृद्धजनों की देखभाल और गरिमापूर्ण जीवन सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण सार्वजनिक दायित्व बन जाएगा।



जनसंख्या परिवर्तन का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू क्षेत्रीय असमानता है। दक्षिण भारत के अनेक राज्यों में प्रजनन दर प्रतिस्थापन स्तर से काफी नीचे पहुंच चुकी है, जबकि उत्तर भारत के कुछ राज्यों में अपेक्षाकृत अधिक प्रजनन दर देखने को मिलती है। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, महिलाओं की रोजगार भागीदारी और सामाजिक-आर्थिक विकास में अंतर इन विविधताओं के प्रमुख कारण हैं। इसलिए पूरे देश के लिए एक समान जनसंख्या नीति लागू करना व्यावहारिक दृष्टि से उचित नहीं होगा। जिन राज्यों में युवा आबादी अधिक है, वहां रोजगार, शिक्षा और कौशल विकास की आवश्यकता अधिक होगी, जबकि कम प्रजनन दर वाले राज्यों में वृद्धजन कल्याण और भविष्य की श्रमशक्ति संबंधी चुनौतियां प्रमुख होंगी। ऐसी परिस्थितियों में दो बच्चों की सीमा निर्धारित करने वाले कानूनों और दो से अधिक बच्चों वाले व्यक्तियों को स्थानीय निकाय चुनावों अथवा सरकारी सुविधाओं से वंचित करने जैसे उपायों पर गंभीर पुनर्विचार आवश्यक है। जनसंख्या संबंधी नीतियां नागरिकों के अधिकारों, विशेषकर महिलाओं के प्रजनन अधिकारों और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अनुरूप होनी चाहिए। जब परिवार स्वाभाविक रूप से छोटे हो रहे हैं, तब दंडात्मक कानूनों के माध्यम से परिवार के आकार को नियंत्रित करने का प्रयास सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत परिणाम पैदा कर सकता है। इससे गरीब परिवारों, महिलाओं और वंचित समुदायों पर असमान दबाव पड़ने की आशंका भी रहती है। महिलाओं की आर्थिक भागीदारी भी इस परिवर्तन का केंद्रीय विषय है। महिलाओं को शिक्षा, रोजगार, समान वेतन, मातृत्व सुविधाएं और प्रजनन संबंधी निर्णयों में स्वतंत्रता प्रदान करना किसी भी प्रभावी जनसंख्या नीति की आधारशिला होनी चाहिए। परिवार नियोजन का उद्देश्य महिलाओं पर नियंत्रण स्थापित करना नहीं, बल्कि उन्हें सूचित और स्वतंत्र निर्णय लेने में सक्षम बनाना होना चाहिए। इसी प्रकार बच्चों की संख्या के आधार पर राजनीतिक अधिकारों अथवा सार्वजनिक अवसरों से वंचित करना लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व के व्यापक उद्देश्य को कमजोर कर सकता है।

भारत को जनसंख्या नियंत्रण की पुरानी अवधारणा से आगे बढ़कर जनसंख्या प्रबंधन और मानव विकास की व्यापक नीति अपनानी चाहिए। इसमें क्षेत्रीय जनसांख्यिकीय जरूरतों के अनुसार नियोजन, प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, वृद्धजन कल्याण, श्रम बाजार की तैयारी और सामाजिक सुरक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। जनसंख्या संबंधी नीतियों का मूल्यांकन केवल जन्म दर के आंकड़ों से नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन स्तर, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक समानता के आधार पर किया जाना चाहिए।

अंततः, जनसंख्या किसी राष्ट्र के लिए केवल संख्या नहीं, बल्कि उसकी मानवीय क्षमता और सामाजिक संरचना का प्रतिबिंब होती है। भारत की घटती प्रजनन दर हमें यह अवसर प्रदान करती है कि हम दंडात्मक नियंत्रण के बजाय अधिकार-आधारित, वैज्ञानिक और संवेदनशील नीतियों की दिशा में आगे बढ़ें। भविष्य का भारत तभी सशक्त होगा, जब उसके युवा शिक्षित और रोजगारयुक्त होंगे, महिलाएं स्वतंत्र होंगी और वृद्धजन सम्मान तथा सुरक्षा के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। अब आवश्यकता जनसंख्या पर नियंत्रण की नहीं, बल्कि मानव क्षमता के विकास और बदलती जनसांख्यिकी के अनुरूप राष्ट्र निर्माण की है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

नजर का धुंधलापन मानकर न टालें आंखों के संकेत, रोशनी जाने का खतरा



आंखों की रोशनी धीरे-धीरे कम होना अक्सर लोग उम्र का असर या चश्मे का नंबर बढ़ना समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन हर बार धुंधला दिखने की वजह चश्मा नहीं होती। कई बार यह ग्लूकोमा, रेटिना की समस्या, मैक्युलर डिजनरेशन या डायबिटिक रेटिनोपैथी जैसी गंभीर बीमारियों का शुरुआती संकेत हो सकता है। इन बीमारियों की खास बात यह है कि शुरुआत में कई बार दर्द नहीं होता और व्यक्ति को आंखों को हो रहे नुकसान का पता भी नहीं चलता। समय पर पहचान और इलाज न होने पर रोशनी हमेशा के लिए जा सकती है।

अगर अचानक एक आंख से कम दिखाई देने लगे या नजर में तेजी से बदलाव आए तो इसे सामान्य कमजोरी न समझें। यह आंख की रक्त वाहिका में रुकावट या ऑप्टिक नर्व को नुकसान पहुंचने का संकेत हो सकता है। ऐसी स्थिति में तत्काल नेत्र विशेषज्ञ या अस्पताल पहुंचना जरूरी है। अचानक नजर जाना कई बार गंभीर आपात स्थिति होती है। आंखों के सामने छोटे-छोटे धब्बे, धागे या जाले जैसी आकृतियां दिखाई देना फ्लोटर्स कहलाता है। उम्र बढ़ने के साथ कभी-कभी ऐसा होना सामान्य हो सकता है। लेकिन अचानक बहुत सारे नए धब्बे दिखने लगें, रोशनी की चमक दिखाई दे या नजर के किसी हिस्से पर पर्दा पड़ता महसूस हो तो सावधान हो जाएं। ये रेटिना में दरार या उसके अपनी जगह से अलग होने के संकेत हो सकते हैं। इलाज में देरी स्थायी दृष्टि हानि का कारण बन सकती है।

अगर दरवाजे का फ्रेम, खिड़की की ग्रिल या बिजली के खंभे की सीधी रेखाएं लहरदार या मुड़ी हुई दिखाई देने लगें तो इसे नजरअंदाज न करें। आंख के रेटिना के मध्य हिस्से मैक्युला में गड़बड़ी इसका कारण हो सकती है। मैक्युलर डिजनरेशन में सामने की चीजें साफ देखने में परेशानी होती है और नजर के केंद्र में धुंधलापन या काला धब्बा दिखाई दे सकता है। आंख लाल होने के साथ तेज दर्द, धुंधला दिखना, रोशनी के आसपास रंगीन घेरे दिखाई देना, सिरदर्द या जी मिचलाना हो तो यह आंखों का दबाव अचानक बढ़ने यानी एक्यूट ग्लूकोमा का संकेत हो सकता है। इसमें कुछ घंटों के भीतर इलाज जरूरी है। खुद से आई ड्रॉप डालने के बजाय तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। डायबिटीज में लंबे समय तक ब्लड शुगर बढ़ा रहने से रेटिना की रक्त वाहिकाएं प्रभावित हो सकती हैं। इसे डायबिटिक रेटिनोपैथी कहते हैं। शुरुआत में इसके लक्षण महसूस नहीं होते, इसलिए नियमित आंखों की जांच और रेटिना की जांच जरूरी है।

निशाना

चार आंसू बहा के भूल गये...



धर्मराज देशराज

गम की दौलत कमा के भूल गये
दिल में अपने छुपा के भूल गये।
याद हम क्या रखें ज़माने में
खुद को आँसू बहा के भूल गये।
कल तलक याद था सभी लेकिन
आज खुद को भुला के भूल गये।
बेवफ़ा हम तुझे ज़माने में
चार आंसू बहा के भूल गये।
हम भी नादाँ उन्हें दुआ देते
जो कि अपना बना के भूल गये।
हम तुम्हारे थे तुम हमारे थे
तुम सभी कुछ भुला के भूल गये।
याद गर हो 'धरम 'तो सच बोलो
क्यूँ खुदी को मिटा के भूल गये।

कंज्यूमर अपडेट

सर्दियों में ऑयल हीटर देगा देर तक गर्मी, बिना आवाज के मिल सकेगी राहत

सर्दियों में कमरा गर्म रखने के लिए ज्यादातर घरों में रॉड वाले हीटर या ब्लोअर का इस्तेमाल होता है। ये जल्दी गर्म हवा तो देते हैं, लेकिन इनके साथ कुछ परेशानियां भी हैं। ब्लोअर की आवाज, हवा में धूल का उड़ना और त्वचा में रूखापन महसूस होना आम बात है। ऐसे में ऑयल हीटर एक दूसरा विकल्प है। यह धीरे-धीरे पूरे कमरे को गर्म करता है और बिना आवाज के काम करता है। हालांकि, इसे खरीदने से पहले इसकी कार्यप्रणाली, बिजली की खपत और कीमत समझना जरूरी है।



नाम से लगता है कि ऑयल हीटर में तेल जलता होगा, लेकिन ऐसा नहीं है। इसमें एक खास तरह का तेल भरा होता है, जिसे थर्मिक ऑयल कहते हैं। यह तेल हीटर के अंदर बंद रहता है और इसे बार-बार बदलने या भरने की जरूरत नहीं पड़ती।

ब्लोअर गर्म हवा को पंखे की मदद से तेजी से कमरे में फैलाता है। इसलिए उसके सामने बैठने पर तुरंत गर्मी महसूस होती है, लेकिन बंद करते ही कमरा जल्दी ठंडा पड़ सकता है। ऑयल हीटर को गर्म होने में थोड़ा समय लगता है, लेकिन गर्म तेल के कारण यह बंद होने के बाद भी कुछ समय तक गर्मी देता रहता है। इसमें खुली गर्म रॉड नहीं होती और पंखे से हवा भी नहीं फेंकी जाती। इसलिए धूल उड़ने की समस्या अपेक्षाकृत कम रहती है। यह ऑक्सीजन नहीं जलाता, हालांकि किसी भी बंद कमरे में हवा का उचित आवागमन जरूरी है। ऑयल हीटर की कीमत सामान्य रॉड या ब्लोअर हीटर से ज्यादा होती है। बाजार में इसकी शुरुआती कीमत लगभग सात हजार रुपये से शुरू होकर 12 हजार रुपये या उससे अधिक हो सकती है। कीमत क्षमता, कंपनी और सुविधाओं के अनुसार बदलती है। इसे खरीदते समय कमरे के आकार के हिसाब से क्षमता चुनें। थर्मोस्टेट, सुरक्षा के लिए गर्मी से बचाव, गिरने पर अपने आप बंद होने की सुविधा और अच्छी गुणवत्ता वाले तार जरूर देखें। हीटर को पर्दे, बिस्तर और दूसरी ज्वलनशील चीजों से दूर रखें। इसे ढककर न चलाएं और बिजली के तार या सॉकेट पर जरूरत से ज्यादा भार न डालें। अगर आपको पूरे कमरे को लंबे समय तक गर्म रखना है और शुरुआती कीमत ज्यादा होने से परेशानी नहीं है, तो ऑयल हीटर अच्छा विकल्प हो सकता है। लेकिन कम समय के लिए तुरंत गर्मी चाहिए और बजट सीमित है, तो सामान्य हीटर भी काम आ सकता है। बिजली की बचत का फैसला केवल हीटर के प्रकार से नहीं, बल्कि उसके इस्तेमाल के समय और तापमान की सेटिंग से भी होता है।

वायरल कंटेंट

विशालकाय अजगर की पीठ पर चढ़कर फिसलने लगे बच्चे, देखकर कांप उठे लोग

बच्चों के लिए सांप का नाम सुनना ही डर पैदा कर सकता है, लेकिन सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में कुछ बच्चे विशालकाय अजगर को खिलौना समझकर उसके साथ खेलते दिखाई दे रहे हैं। वे न केवल उसके करीब जा रहे हैं, बल्कि उसकी पीठ पर बैठकर मिट्टी की ढलान से फिसलने का मजा भी ले रहे हैं। यह नजारा देखकर लोग हैरान हैं। कई यूजर्स बच्चों की बेखौफ हरकत से ज्यादा वहां मौजूद बड़ों की लापरवाही पर सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि बच्चों को तुरंत इस खतरनाक सांप से दूर किया जाना चाहिए।



बताया जा रहा है कि यह वीडियो इंडोनेशिया का है। इसमें एक विशालकाय अजगर जमीन पर पड़ा दिखाई देता है। एक छोटा बच्चा उसके शरीर पर बैठ जाता है और फिर मिट्टी की ढलान पर उसकी पीठ से फिसलता हुआ नीचे आता है। पास में एक दूसरा बच्चा भी खड़ा है। कुछ बड़े लोग भी वहां मौजूद दिखाई देते हैं।

वीडियो में दिख रहा सांप रेटिकुलेटेड पाइथन यानी जालीदार अजगर बताया जा रहा है। यह दुनिया की सबसे लंबी सांप प्रजातियों में शामिल है। दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के कई हिस्सों में पाया जाने वाला यह सांप 20 फीट से भी अधिक लंबा हो सकता है। हालांकि, इस प्रजाति के सभी सांप इतने बड़े नहीं होते। इसकी खास बात यह है कि यह जहरीला नहीं होता। लेकिन जहरीला न होने का मतलब यह नहीं कि इससे कोई खतरा नहीं है। विशेषज्ञों की सलाह है कि जंगली सांपों से हमेशा सुरक्षित दूरी रखनी चाहिए। बच्चों को ऐसे जानवरों के पास जाने की अनुमति बिल्कुल नहीं देनी चाहिए।

इंस्टाग्राम पर @israhmavwz_ नाम के खाते से साझा किए गए इस वीडियो को खबर लिखे जाने तक करीब 1 करोड़ 76 लाख बार देखा जा चुका था। इसे 2 लाख 80 हजार से ज्यादा लाइक मिले थे। वीडियो पर लोगों ने चिंता जताई। एक यूजर ने लिखा कि अजगर जहरीला नहीं है, लेकिन बच्चे के लिए फिर भी जानलेवा हो सकता है। दूसरे ने कहा, 'जल्दी हटाओ उसे वहां से।' कई लोगों ने सवाल उठाया कि वहां मौजूद बड़े लोगों ने बच्चों को रोकने की कोशिश क्यों नहीं की।

कलेक्टर ने कई निर्माण कार्यों की समीक्षा की, अफसरों से कहा-काम की क्वॉलिटी खराब नहीं होनी चाहिए

पचमढ़ी में पर्यटन को मिलेगी रफ्तार, सैलानियों के होटल में बढ़ेंगी सुविधाएं, धूपगढ़ की सड़कें होंगी और भी बेहतर

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम में पर्यटन को रफ्तार मिलेगी। इसके लिए पचमढ़ी में सड़कें, पर्यटन स्थलों, उद्यानिकी विभाग के पार्क और नर्सरी के साथ साडा के न्यू होटल का कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्य तय समय में और अच्छी गुणवत्ता के साथ पूरे करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने महादेव मार्ग और धूपगढ़ तक बन रही सड़क का निरीक्षण किया। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से दूसरे विभागों के साथ तालमेल कर सभी निर्माण कार्य समयसीमा में पूरे करने को कहा। साथ ही राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के दिशा-निर्देशों का पालन करने की हिदायत दी। उन्होंने पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के साथ बैठक भी की।



कलेक्टर ने एसडीएम आकिप खान से जमीन, पर्यटन स्थलों की स्थिति और व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने राजस्व मामलों को तय समय में निपटाने और लंबित मामलों के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए।

पाइन ट्री कॉरिडोर में बनेगा फुटपाथ

कलेक्टर ने उद्यानिकी विभाग के पार्क और नर्सरी को व्यवस्थित करने को कहा, ताकि लोगों को पर्यटन गतिविधियों से जोड़ा जा सके। उन्होंने साडा के न्यू होटल का रखरखाव बेहतर करने और राजेंद्र गिरि में प्रस्तावित निर्माण कार्य तय समय में पूरे करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही पचमढ़ी में प्रस्तावित मॉल पाइन ट्री कॉरिडोर में फुटपाथ बनाने को भी कहा। कलेक्टर ने कहा कि पर्यटकों के पैदल घूमने की सुविधा विकसित की जाए, ताकि वे पचमढ़ी के प्राकृतिक वातावरण का आनंद ले सकें।

बनखेड़ी और खरसली में मढ़ई मेले..उमड़े ग्रामीण



पिपरिया(नर्मदापुरम)। पिपरिया के बनखेड़ी और खरसली गांव में भाई दूज पर पारंपरिक मढ़ई मेले लगे।बनखेड़ी के झंडा चौक पर हुए मेले में आदिवासी समुदाय के ग्रामीण शामिल हुए। ग्रामीण मोरपंख से सजी ऊंची ढालें लेकर पारंपरिक भजन गाते हुए मेले में पहुंचे। कुलदेवी गांगो माई की पूजा के बाद ढालों के साथ नृत्य किया गया। ग्रामीणों ने देवी स्थल की परिक्रमा भी की। बनखेड़ी में मढ़ई मेले की परंपरा दशकों से चली आ रही है। मान्यता है, मनोकामना पूरी होने पर परिवार और गांव के लोग ढोल के साथ सजी ढालें लेकर मेले में शामिल होते हैं। ढालों को मोरपंख और फूलों से सजाकर बांस पर घुमाया जाता है। इस साल कई गांवों से आई 65 ढालों ने गांगो माई की परिक्रमा की।

न्यूज विंडो

नौलखी में अन्नकूट महोत्सव की धूम 13 क्विंटल से अधिक प्रसादी वितरित



गंजबासौदा। दीपावली के बाद शहर में गोवर्धन पूजा और अन्नकूट महोत्सव श्रद्धा के साथ मनाया गया। बेतवा तट स्थित नौलखी आश्रम और स्टेशन रोड स्थित प्राचीन नौलखी मंदिर में भगवान को अन्नकूट का भोग लगाकर आरती की गई। देर रात तक प्रसादी वितरण हुआ। हजारों श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर दर्शन और प्रसादी ग्रहण की। इस अवसर पर मालपुआ, रामभाजी, कढ़ी, चावल और पूड़ी सहित 13 क्विंटल से अधिक प्रसाद बांटे गए।

मंडी में दूज के मुहूर्त में गेहूं 4101 और सोयाबीन 8301 रुपए क्विंटल बिका

गंजबासौदा। नवीन कृषि उपज मंडी में दीपावली के बाद दूज का शुभ मुहूर्त हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर संत राम मनोहर दास महाराज के सानिध्य में खरीदी का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में विधायक हरिसिंह रघुवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष शशि यादव सहित जनप्रतिनिधि, व्यापारी और किसान मौजूद रहे। शुभ मुहूर्त में ग्राम मुड़रा के किसान इंदर सिंह का गेहूं 4101 रुपए प्रति क्विंटल व पचमा के किसान लोकेश यादव की सोयाबीन 8301 रुपए प्रति क्विंटल बिकी।

मंदिरों में अन्नकूट की धूम, भक्तों ने कतार में लगकर पाया प्रसाद

सिरोंज। दीपावली के बाद मंगलवार को शहर में अन्नकूट उत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। रामलला सरकार, गिरधारी जी, रघुनाथ जी, बिहारी जी, रामजानकी रासबिहारी और मदनमोहन सरकार सहित विभिन्न मंदिरों में भगवान को अन्नकूट का भोग लगाया गया। शाम को आरती और भजनों के बीच प्रसाद वितरण हुआ। श्रद्धालुओं ने कतारों में लगकर प्रसाद ग्रहण किया। वहीं घरों में गोवर्धन पूजा भी की गई। संतों ने अन्नकूट पर्व का महत्व बताते हुए प्रकृति, गौधन व अन्नदाता के प्रति आभार जताया।



ओबेदुल्लागंज-मंडीदीप में श्रद्धा से हुआ भगवान चित्रगुप्त का पूजन

मंडीदीप। यम द्वितीया एवं भाई दूज के पावन अवसर पर बुधवार को ओबेदुल्लागंज और मंडीदीप क्षेत्र में भगवान चित्रगुप्त का पूजन भक्तिभाव के साथ किया गया। कायस्थ समाज सहित श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान चित्रगुप्त समस्त प्राणियों के अच्छे-बुरे कर्मों का लेखा-जोखा रखते हैं।



इंदौर: डेढ़ महीने से होटल में महिला के साथ रह रहा था

शाम को महिला निकली, रात को होटल में मिला इंजीनियर का शव

इंदौर। दोपहर मेट्रो

इंदौर के त्रिवेणी होटल में कल देर रात 46 साल के सॉफ्टवेयर इंजीनियर का शव मिला है। बताया जा रहा है कि वह डेढ़ महीने से सरवरी बेगम नाम की महिला और उसकी 8 साल की बेटी के साथ रह रहा था। रात करीब 2 बजे होटल कर्मचारी अर्जुन ने उसे पीछे के प्लॉट में घायल पड़ा देखा। वह उसे अस्पताल लेकर पहुंचा, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। लसूड़िया पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान लक्ष्मी नगर निवासी राजकुमार यादव के रूप में हुई है। घटना से कुछ घंटे पहले ही उसकी महिला मित्र अपनी बेटी के साथ होटल से कोलकाता के लिए रवाना हुई थी।

पुलिस के मुताबिक, खुद को राजकुमार की पत्नी बता रही सरवरी बेगम ने बताया कि होटल का किराया 70 हजार रुपए से ज्यादा हो गया था। इस पर होटल संचालक ने उनसे कहा था कि वह बेटी को लेकर चली जाएं, राजकुमार यहां रहकर काम करेगा और किराया चुका देगा। इसके बाद सरवरी बुधवार शाम बेटी के साथ होटल से निकल गई। उसने राजकुमार से कहा था कि वह कोलकाता पहुंचकर रुपए भेज देगी। देर रात उसे राजकुमार की मौत की सूचना मिली।



सॉफ्टवेयर इंजीनियर राजकुमार यादव। होटल में भोपाल के प्रॉपर्टी ब्रोकर से प्लॉट के सौदे के भुगतान का कर रहा था इंतजार।

प्लॉट की बिक्री के रुपए मिलने का कर रहा था इंतजार, आज देने थे रुपए

सरवरी के मुताबिक, राजकुमार को भोपाल निवासी प्रॉपर्टी ब्रोकर यश श्रीवास्तव से एक प्लॉट के सौदे के रुपए मिलने थे। यश ने आज भुगतान करने की बात कही थी। राजकुमार की योजना थी कि इस रकम से पहले होटल का बकाया किराया चुकाएगा। इसके बाद बाकी पैसों से खुद का काम शुरू करेगा। पुलिस के मुताबिक, राजकुमार ने कुछ समय पहले नौकरी छोड़ दी थी। वह खुद का व्यवसाय शुरू करना चाहता था। इसके लिए उसे प्लॉट की बिक्री से मिलने वाली रकम का इंतजार था। बताया गया है कि उसके पिता का एक प्लॉट यश श्रीवास्तव के माध्यम से बेचा गया था। इस सौदे के भुगतान के लिए राजकुमार लगातार तकादा कर रहा था। वह रुपए न मिलने से परेशान था। सरवरी ने बताया कि उसके माता-पिता की मौत के बाद दिसंबर 2025 से वह व राजकुमार अलग-अलग होटलों और किराए के मकान में रह रहे थे।

भोपाल के प्रॉपर्टी ब्रोकर से भी अब पुलिस करेगी पूछताछ

सरवरी ने बताया कि वर्ष 2007 में दोनों की पहचान हुई थी। सरवरी की यह दूसरी शादी थी। राजकुमार ने 2010 में प्रीति यादव से भी परिवार की सहमति से शादी की थी। कुछ समय तक दोनों परिवारों को भोपाल में साथ रखा गया। इसके बाद परिवार के विरोध होने लगा तो राजकुमार सरवरी के साथ अलग रहने लगा। लसूड़िया पुलिस का कहना है कि राजकुमार के माता-पिता और एक भाई भी हैं। उसका भाई पुलिस विभाग में नौकरी करता है, जबकि पत्नी प्रीति अपने परिजनों के साथ रहती है। फिलहाल, पुलिस होटल कर्मचारियों और परिजन से पूछताछ कर रही है। घटना किन परिस्थितियों में हुई, इसकी जांच की जा रही है। पुलिस होटल के सीसीटीवी कैमरे भी खंगाल रही है। इसके साथ ही सरवरी के बयान की भी जांच में जुटी है। पुलिस अब भोपाल के प्रॉपर्टी ब्रोकर यश श्रीवास्तव से भी पूछताछ करेगी। पूछेगी कि आखिर प्लॉट के सौदे से उसे कितनी रकम देनी थी और इसमें वह देरी क्यों कर रहा था? इसके अलावा पुलिस और भी कई एंगल पर जांच कर रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही पूरे मामले का खुलासा होगा।

रायसेन में वारदात, पुलिस कर रही जांच

कृषि मंडी में मुनीम को बंधक बना लाखों की लूट, ईंट से कुचला चेहरा, आंख भी फोड़ी



रायसेन। दोपहर मेट्रो

कृषि उपज मंडी परिसर में बदमाशों ने बेखौफ होकर गल्ला व्यापारी के फार्म पर लूट हो गई। कल देर रात फार्म में घुसे बदमाशों ने व्यापारी के मुनीम को बंधक बनाकर बेरहमी से पीटा। ईंट से सिर और चेहरे पर इतने वार किए कि उनकी एक आंख बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। बदमाश लाखों रुपए की नकदी लेकर फरार हो गए। सुबह व्यापारी फार्म पर पहुंचे तो मुनीम खून से लथपथ मिले। गंभीर घायल मुनीम को भोपाल रेफर किया गया है। वारदात से मंडी के व्यापारियों में दहशत का माहौल है।

गल्ला व्यापारी मनोज राठौर ने बताया कि उनके मुनीम पदम सिंह रोज की तरह मंडी स्थित दुकान पर सो रहे थे। आज सुबह 8 बजे जब वे पहुंचे तो काफी देर तक आवाज देने के बावजूद गेट नहीं खुला। अंदर जाकर देखा तो पदम सिंह खून से लथपथ पड़े थे। उनका चेहरा बुरी तरह कुचला हुआ था। सिर पर भी गंभीर चोटें थीं। कमरे में जगह-जगह खून फैला था। इसके बाद कोतवाली पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा। प्रभारी एसपी दीपक नायक और एसडीओपी आकांक्षा तलया सहित अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि बदमाश दीवार फांदकर परिसर में घुसे और कांच तोड़कर उस कमरे तक पहुंचे, जहां मुनीम नकदी के साथ सो रहे थे। बदमाशों ने उन्हें बंधक बनाकर मारपीट की। नकदी लूटकर भाग निकले।पुलिस परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। एएसपी के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

बीना में वारदात, पांच आरोपी गिरफ्तार

लॉज चलाने के लिए मांगी डेढ़ लाख रुपए रंगदारी, घर में घुसकर तोड़फोड़

बीना। दोपहर मेट्रो

शास्त्री वार्ड में लॉज संचालन के नाम पर डेढ़ लाख रुपए की मांग करते हुए घर में घुसकर मारपीट, पत्थरबाजी और तोडफ़ोड़ करने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने पीड़ित धमकी दी कि यदि बीना में लॉज चलाना है तो डेढ़ लाख रुपए देने होंगे, अन्यथा वह शहर में नहीं रह पाएगा। घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

थानाप्रभारी अनूप यादव ने बताया कि शास्त्री वार्ड निवासी कांति कुमार बिलगैंया ने शिकायत कराई कि शाम करीब 7.30 बजे वह अपने घर के सामने खड़े थे। इसी दौरान दीपक उर्फ दीपू यादव अपने साथियों के साथ वहां पहुंचा था, आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए लॉज चलाने के लिए डेढ़ लाख रुपए की मांग की और कॉलर पकड़कर धमकाया। बीच-बचाव करने पहुंची वंदना चौबे पर अभिषेक अहिरवार ने पत्थर से हमला कर दिया। उनके पैर में चोट आई। इसके बाद सभी आरोपी घर के अंदर घुस गए और सामान में तोडफोड़ कर दी और जान से मारने की धमकी भी दी।

ये चढ़े पुलिस के हत्थे

पुलिस ने तत्काल टीम गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की। जिसमें पुलिस ने अमित यादव (27), अभिषेक अहिरवार (25), अल्लू खान (25), यश उर्फ पोलो माली (24) और राजा वाल्मीकि (19) को गिरफ्तार किया है।

कार से मिले 80 लाख रुपए, दो हिरासत में



इंदौर। कनाड़िया थाना क्षेत्र में फिनिक्स मॉल के पीछे एक कार से पुलिस ने 80 लाख रुपए बरामद किए। कार सवार देवास निवासी दो व्यक्तियों से रकम के संबंध में पूछताछ की गई, लेकिन वे संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। पुलिस ने रकम जब्त कर आयकर विभाग को सूचना दी है। कार (एमपी 09 जेडई 5088) में तिलोक (52) पिता भेरूलाल गामी और मनोज (44) पिता भेरूलाल गामी निवासी बरखेड़ा सोमा, थाना बागली जिला देवास सवार थे। कार से 80 लाख रुपए मिले। इनमें 200 रुपए के नोटों में 2 लाख, 100 रुपए के नोटों में 3 लाख और 500 रुपए के नोटों में 75 लाख रुपए शामिल थे। पूछताछ में दोनों ने बताया कि वे बिचौली निवासी सुरेश पटेल से रुपए लेकर आए हैं। रुपए जमीन की बिक्री से मिले हैं।

डकैती के कई केस पहले से दर्ज

बाइक से 62 लीटर अवैध शराब ले जाते पकड़ाया 1.20 लाख का वारंटी

गुना। धरनावदा की रुठियाई चौकी पुलिस ने बाइक से अवैध शराब की खेप ले जाते हुए 1.20 लाख रुपए के इनामी वारंटी को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी नीरज लोधी ने बताया कि, मुखबिरी सूचना पर बिना नंबर की बाइक पर दो सफेद प्लास्टिक कैन में हाथ भट्टी से बनी कच्ची शराब लेकर आ रहे आरोपी अभिषेक पुत्र बादल पारदी 26 साल निवासी ग्राम कनारी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 62 लीटर अवैध शराब सहित 1.06,200 का मशरुका जब्त किया है। आरोपी अभिषेक पारदी पर राजगढ़ कोतवाली के अलग अलग गंभीर अपराधों में गिरफ्तारी के लिए भोपाल देहात आइजी ने 30-30 हजार समेत 1.20 लाख रुपए का इनाम रखा था।

मेट्रो एंकर | खुशियों के आयोजन को बनाया सड़क सुरक्षा जागरूकता का माध्यम

अनूठी पहल...शादी का न्योता देने के साथ बांट रहे जिंदगी बचाने का संदेश

ब्यावरा। दोपहर मेट्रो

शादी की खुशियों में शामिल होने का न्योता तो सभी देते हैं, लेकिन जिले के हबीपुरा के एक परिवार ने इस न्योते के साथ लोगों को जिंदगी बचाने का संदेश भी दिया है। सेन समाज के परिवार ने बेटे की शादी के लिए छपवाए निमंत्रण पत्रों पर यातायात नियमों के पालन की अपील प्रकाशित कराई है।

मेहमानों से कहा गया है कि समारोह में आएं तो हेलमेट और सीट बेल्ट जरूर लगाएं, गति नियंत्रित रखें और सड़क पर दूसरों की सुरक्षा का भी ध्यान रखें। परिवार ने निजी खुशी को सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़कर एक ऐसी पहल की है, जिसका संदेश हर उस घर तक पहुंचेगा, जहां शादी का कार्ड पहुंचेगा।



कार्ड पर सुरक्षा की अपील

हबीपुरा के डॉ. ऋतुराज सेन की शादी 23 व 24 नवंबर को होना है। परिवार ने कार्ड पर नागरिक शिष्टाचार और यातायात नियमों के पालन का संदेश लिखा है। इसमें टूव्हीलर चलाते समय हेलमेट पहनने, फोर व्हीलर में सीट बेल्ट लगाने और तय गति से वाहन चलाने की अपील की गई है। संदेश साफ है-सुरक्षित रहें और दूसरों को भी सुरक्षित रखें।

खुशियों के साथ जिम्मेदारी भी बांटें

दूल्हे के पिता डॉ. राजेंद्र सेन का कहना है कि हेलमेट और यातायात नियम हमारी सुरक्षा के लिए हैं। लोगों को यह समझना चाहिए कि इनका पालन केवल चालान से बचने के लिए नहीं, बल्कि अपनी जिंदगी बचाने के लिए जरूरी है। इसलिए शादी के कार्ड के जरिए जागरूकता फैलाने का प्रयास किया है। सड़क पर सुरक्षा के उपाए ही जीवन की रक्षा है। इसलिए इसे लेकर सभी को जागरूक करना जरूरी है। इसे देखते हुए ही शादी के कार्ड पर हर यह संदेश लिखवाया गया है।

नियमों का पालन आदत बने, डर नहीं

यातायात थाना प्रभारी देवनारायण पांडे ने इस पहल को प्रेरणादायक बताया। उनके अनुसार, यातायात नियमों का पालन चालानी कार्रवाई के डर से नहीं, बल्कि अपनी और दूसरों की जिंदगी की सुरक्षा के लिए होना चाहिए।

ऐसी घटनाओं से सीख

अशोकनगर में भतीजे की शादी में शामिल होने जा रहे दंपती की बाइक को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। इसमें पति-पत्नी की मौके पर मौत हो गई। उनकी 15 साल की बेटी हादसे में बच गई। इसी तरह रीवा में परिवार में शादी की तैयारियां चल रही थीं। शादी के निमंत्रण कार्ड बांटने निकले पिता, पुत्र व रिश्तेदार की बाइक को तेज रफ्तार ऑडी ने टक्कर मार दी। तीनों की मौत हो गई। ऐसी घटनाओं से डॉक्टर परिवार ने सीख ली।

ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्र पर मनाया भाई दूज का पर्व

परमात्मा को भाई मानकर चलना ही सदा सुखी रहने का आधार : रुक्मणी



गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, चर्च वाली गली बरेठ रोड स्थित सेवा केंद्र पर भाई दूज पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर रुक्मणी दीदी ने कहा कि परमात्मा को भाई मानकर उनके बताए मार्ग पर चलना ही सदा सुखी रहने का आधार है। उन्होंने यमुना और यमराज की कथा सुनाई। ते हुए भाई दूज का आध्यात्मिक महत्व बताया। रेखा दीदी ने कहा कि यह पर्व केवल भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक नही है। यह आत्मिक बंधुत्व, सुख, शांति, पवित्रता और सदाचार अपनाने का संदेश भी देता है। इसलिए सभी को मिलकर रहना चाहिए।

तुलसी पुलिया के अंधे मोड़ पर हुआ दर्दनाक हादसा

तेज रफ्तार बाइक ने पैदल जा रहे युवक की जान ली, बाइक सवार गंभीर

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो



क्षेत्र में सड़क हादसों पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। तेज रफ्तार, शराबखोरी और अंधे मोड़ लगातार जानलेवा साबित हो रहे हैं। दीपावली से भाई दूज तक ही एक दर्जन से अधिक हादसे हो चुके हैं। इनमें दर्जनों लोग घायल हुए, कई को जबलपुर रेफर करना पड़ा और तीन-चार लोगों की जान जा चुकी है ताजा हादसा देर शाम करीब साढ़े 8 बजे जामुनखेड़ा मार्ग पर तुलसी पुलिया के पास हुआ। तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से बाजार से घर लौट रहे युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

मृतक की पहचान भूपसिंह पिता कल्याण सिंह लोधी उम्र 35 वर्ष निवासी जामुनखेड़ा के रूप में हुई है। वहीं घायल बाइक सवार सूर्यांश सिंह लोधी उम्र 19 वर्ष निवासी बितली बताया जा रहा है परिजनों के अनुसार भूपसिंह मंगलवार को तेंदूखेड़ा से बाजार करके पैदल अपने घर जामुनखेड़ा जा रहा था। जैसे ही वह तुलसी पुलिया के समीप पहुंचा, तभी पीछे से तेज रफ्तार में आ रही बाइक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि भूपसिंह उछलकर दूर खेत में जा गिरा। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। बाइक सवार भी गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव देर रात सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रखवाया गया। सुबह पोस्टमार्टम कराया और शव परिजनों को सौंप दिया स्थानीय राहगीरों के अनुसार बाइक सवार तेज रफ्तार में था और तुलसी पुलिया का अंधा मोड़ होने के कारण वह बाइक को नियंत्रित नहीं कर पाया, जिससे यह हादसा हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

धार में ऑपरेशन प्रहार : 45 करोड़ के गांजे के पौधे जब्त



टांक(धार)। दोपहर मेट्रो

धार जिले में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 17 टन से अधिक हरे गांजे के पौधे जब्त किए हैं। इनकी अनुमानित कीमत 45 करोड़ रुपए से अधिक बताई जा रही है। मनावर, उमरबन, राजगढ़, बाग, टांडा, धामनोद और तिरला सहित विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई कर एनडीपीएस एक्ट के तहत 25 से अधिक प्रकरण दर्ज किए गए हैं।

इस बड़ी कार्रवाई के बाद पुलिस और खुफिया तंत्र की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि खेतों में कपास, तुअर और मक्का जैसी फसलों के बीच गांजे की खेती की जा रही थी। ऐसे में सवाल है कि तीन महीने तक चल रही अवैध खेती की जानकारी पुलिस व बीट प्रभारियों को क्यों नहीं मिली। इतने बड़े पैमाने पर खेती के लिए बीज कहां से आए।

वन विभाग के कर्मचारियों पर निलंबन की कार्रवाई भी हुई

मामले में वन विभाग के कुछ कर्मचारियों पर निलंबन की कार्रवाई हुई है, लेकिन पुलिस अधिकारियों और थाना प्रभारियों की जवाबदेही तय करने की मांग उठ रही है। आशंका जताई जा रही है कि इस कारोबार के तार अन्य जिलों और बड़े बाजारों तक जुड़े हो सकते हैं। ऑपरेशन प्रहार की सफलता के साथ अब जरूरी है कि अवैध खेती के पूरे नेटवर्क, आर्थिक लेनदेन, बीज आपूर्ति और संरक्षण देने वालों की निष्पक्ष जांच हो तथा लापरवाही मिलने पर जिम्मेदार अधिकारियों पर भी कार्रवाई की जाए।

एफआईआर की चेतावनी के बाद भी कार्रवाई नहीं

अनूपपुर में अधूरा फ्लाईओवर बना परेशानी, सांसद की चेतावनी बेअसर



अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

निर्माणाधीन फ्लाईओवर का काम पूरा नहीं होने से शहरवासियों की परेशानी बढ़ती जा रही है। केंद्र, प्रदेश और स्थानीय निकाय में भाजपा की सरकार होने के बावजूद जनता को राहत नहीं मिल रही है। शहडोल सांसद हिमाद्री सिंह ने 10 जुलाई को दिशा की बैठक में अक्टूबर तक निर्माण पूरा कर दीपावली से पहले आवागमन शुरू कराने का दावा किया था। साथ ही समय-सीमा पूरी नहीं होने पर जिम्मेदार अधिकारियों और निर्माण एजेंसी के खिलाफ एफआईआर की चेतावनी दी थी। लेकिन अक्टूबर और दीपावली बीतने के बाद भी फ्लाईओवर अधूरा है।

भारतीय गण वार्ता पार्टी के जिला महामंत्री वरुण चटर्जी ने सवाल उठाते हुए कहा कि सांसद की चेतावनी के बावजूद अब तक कार्रवाई क्यों नहीं की गई।

उठाए सवाल

वरुण चटर्जी ने निर्माण एजेंसी को ब्लैकलिस्ट करने, संबंधित अधिकारियों की भूमिका की जांच और लापरवाही मिलने पर कार्रवाई की मांग की। चटर्जी ने कहा कि फ्लाईओवर अधूरा होने से लोगों को रोजाना 5 से 6 किलोमीटर अतिरिक्त सफर करना पड़ रहा है। जनता को अब आश्वासन नहीं, बल्कि निर्माण पूरा होने की निश्चित समय-सीमा और जिम्मेदारों पर कार्रवाई होनी चाहिए।

आतंकी संगठनों को कई फर्जी ई-मेल आईडी बेच चुका है आरोपी, अब ग्वालियर पुलिस करेगी पूछताछ

इंदौर में सिंगर दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट को उड़ाने की धमकी देने वाला यूपी से गिरफ्तार

ग्वालियर। दोपहर मेट्रो

पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ के 15 नवंबर को इंदौर में होने वाले कॉन्सर्ट को बम से उड़ाने की धमकी के मामले में उत्तर प्रदेश एटीएस ने एक संदिग्ध को पकड़ा है। उसके ई-मेल अकाउंट से बड़ी संख्या में धमकी भरे संदेश मिले हैं। पूछताछ में संदिग्ध ने दावा किया कि उसने अपना ई-मेल अकाउंट किसी दूसरे व्यक्ति को बेच दिया था। अब ई-मेल खरीदने वाले की तलाश कर रही है। जांच की जा रही है कि धमकी भरे संदेश किसने भेजे थे।

मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। धमकी भरा ई-मेल ग्वालियर हाईकोर्ट की आधिकारिक ई-मेल आईडी पर भेजा गया था। इसमें कॉन्सर्ट के मंच को आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) से उड़ाने की चेतावनी दी गई थी। इसके अलावा, बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन के मुंबई स्थित बंगले 'जलसा' को भी बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी।

धमकी भरे ई-मेल की जांच करते हुए ज़ूम ने उसका आईपी एड्रेस ट्रेस किया। इसके आधार पर जांच एजेंसी उत्तर प्रदेश के दो शहरों तक पहुंची और एक संदिग्ध को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने ई-मेल बेचने की बात कही। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि धमकी उसी ने भेजी थी या ई-मेल खरीदने वाले किसी दूसरे व्यक्ति ने इसका इस्तेमाल किया। ई-मेल की खरीद-बिक्री और धमकी के पीछे के मकसद की जांच कर रही है।



जांच में पता चलेगा

ग्वालियर की प्रभारी एसपी श्रुतकीर्ति सोमवंशी ने बताया कि यूपी एटीएस ने किसी को पकड़ा है लेकिन उसकी अधिकारिक जनकारी यूपी पुलिस से नहीं मिली है एमपी एटीएस के साथ ग्वालियर पुलिस की टीम भी यूपी में पकड़े गए आरोपी से पूछताछ करने जाएगी। उसके फोन और लैपटॉप की जांच में पता चलेगा।

ई-मेल से दी गई थी धमकी

ग्वालियर हाईकोर्ट की आधिकारिक ई-मेल आईडी पर एक धमकी भरा मेल आया था। इसमें खालिस्तान नेशनल आर्मी और बब्बर खालसा का नाम लेते हुए मंदिरों और 15 नवंबर को इंदौर में होने वाले दिलजीत दोसांझ के शो में ब्लूश्ट धमाके करने की धमकी दी गई थी। हाईकोर्ट के मुख्य सुरक्षा अधिकारी उपनिरीक्षक मानवेन्द्र सिंह कुशवाह की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात मेल भेजने वाले के खिलाफ ब्लूश्ट की धाराओं 351(3), 351(4), 353(3) और आईटी एक्ट की धारा 66(स्र) में केस दर्ज किया है। साइबर टीम ई-मेल आईडी और आईपी एड्रेस की जानकारी के लिए गूगल से संपर्क कर रही है। बता दें, दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट को लेकर इससे पहले दिल्ली और मुंबई में भी धमकी भरे संदेश मिल चुके हैं। अक्टूबर में दिल्ली में प्रस्तावित कार्यक्रम को सुरक्षा संबंधी इनपुट के चलते पहले अनुमति नहीं मिली थी। बाद में समीक्षा के बाद मंजूरी दी गई अ

28 अक्टूबर को मुंबई की पूर्व महापौर को मिली थी धमकी

23 अक्टूबर को मुंबई की पूर्व महापौर ऋतु तावड़े के कार्यालय को भी धमकी भरा ई-मेल मिला था। इसमें दिलजीत के कॉन्सर्ट को निशाना बनाने की बात कही थी। उन्हें लगातार धमकी दी जा रही थी।

धमकी के बीच ही कॉन्सर्ट में चार गानों पर रोक लगी

इंदौर कॉन्सर्ट को उड़ाने की धमकी के बीच ही कॉन्सर्ट में दिलजीत के चार गानों पर रोक भी लगी। इंदौर जिला बाल संरक्षण अधिकारी ने सी-21 मॉल प्रबंधन को पत्र लिखकर इन गानों को नहीं गाने देने को कहा था। विभाग का मानना है कि इनके बोल बच्चों पर गलत असर डाल सकते हैं। जिन गानों पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए हैं, उनमें 'पटियाला पैग', '5 तारा ठेके', 'जेब वियों अफीम लभिया' और 'जट्ट उत्थे फायर करदा जित्थे पाबंदी हथियार दी' शामिल हैं।

12वीं तक पढ़ा है आरोपी अंकित

यूपी एटीएस ने कानपुर में सकरापुर देहली सुजानपुर इलाके से अंकित शंखवार को गिरफ्तार किया है। आरोपी 12 वीं तक पढ़ा है और 2021 से वाईफाई और प्रॉक्सी नेटवर्क के जरिए फर्जी पहचान से 5 लाख से अधिक फर्जी ई-मेल आईडी बनाने का दावा कर चुका है। इन आईडी का पाकिस्तान और बांग्लादेश में आतंकियों और देश विरोधी संगठनों से क्रिप्टो करंसी में सौदा कर चुका है। फेसबुक व व्हाट्सएप के जरिए बांग्लादेशी अलामिन इस्लाम उर्फ अलामीन से जुड़ा था, उसे 6 हजार यूएसटीडी (क्रिप्टो करेंसी) में दोनों ईमेल आईडी बेची थी। अब उससे पूछताछ करने यूपी जाएगी ग्वालियर पुलिस।

जबलपुर में बरगी क्रूज हादसे का मामला

अब तक रिपोर्ट तैयार नहीं 13 मौतों की जांच के लिए दो माह की और मोहलत

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

जबलपुर के बरगी बांध में 30 अप्रैल को हुए क्रूज हादसे में 13 लोगों की मौत की घटना को 6 माह से अधिक वक्त बीत चुका है। लेकिन, हादसे की जिम्मेदारी तय करने के लिए बैठाई गई न्यायिक जांच अब भी अधूरी है। इस हादसे की जांच के लिए 10 मई को राज्य सरकार ने रिटायर्ड हाईकोर्ट के जज जस्टिस संजय द्विवेदी की अध्यक्षता में न्यायिक जांच आयोग गठित किया था। आयोग को 3 माह के भीतर जांच कर अपनी रिपोर्ट सरकार को देनी थी।

इसकी मियाद 10 अगस्त को खत्म हो चुकी है, लेकिन 6 माह बीतने के बाद भी जांच पूरी नहीं हो सकी है। अब राज्य सरकार ने आयोग का कार्यकाल 2 माह और बढ़ाते हुए जांच रिपोर्ट सबमिट करने की डेडलाइन 9 जनवरी 2027 तय कर दी है। सूत्रों के मुताबिक जस्टिस संजय द्विवेदी के घटना स्थल के अलावा बरगी डैम के कुछ और स्पॉट का बारीकी से इंस्पेक्शन करना चाहते थे, जो मानसून के दौरान नहीं हो सका था, इसलिए जांच को आगे बढ़ाया गया।



दिसंबर में दे सकता है रिपोर्ट

सूत्रों का यह भी दावा है कि जांच प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है, लेकिन जांच रिपोर्ट तैयार नहीं हो सकी है, इसलिए आयोग का कार्यकाल 9 जनवरी तक बढ़ाया गया है। संभवत: दिसंबर महीने में आयोग अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप सकता है। बता दें, आयोग को प्रदेश में संचालित सभी नौकाओं, क्रूज और वाटर स्पोर्ट्स एक्टिविटी का ऑडिट कर इनलैंड वेसल्स एक्ट, 2021 एवं एनडीएमए बोट सेफ्टी गाइडलाइंस 2017 के प्रावधानों का पालन और की ठोस व्यवस्था बनाना। क्रूज किन परिस्थितियों में डूबा, उसके कारण क्या थे, कौन इसके लिए जवाबदेही है।

न्यूज विंडो

स्वच्छ सर्वेक्षण में सागर नगर निगम को देशभर में मिला तीसरा स्थान



सागर। स्वच्छ भारत मिशन के तहत आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में सागर नगर निगम ने राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान हासिल किया है। 50 हजार से 3 लाख आबादी वाले शहरों की श्रेणी में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने निगमायुक्त राजकुमार खत्री को पुरस्कार प्रदान किया। इस उपलब्धि पर नगर निगम परिसर में आतिशबाजी कर खुशी मनाई गई। विधायक शैलेन्द्र जैन ने इसे नागरिकों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम बताया। महापौर संगीता सुशील तिवारी ने पुरस्कार सफाई मित्रों और जागरूक नागरिकों को समर्पित किया। अधिकारियों ने शहरवासियों को बधाई दी।

नरसिंहपुर में गणेश देवस्थानम में भाई-दूज पर प्रसाद वितरण



नरसिंहपुर। श्री गणेश देवस्थानम सिद्धपीठ में भाई दूज के पावन अवसर पर प्रत्येक बुधवार प्रसादी वितरण की परंपरा शुरू की गई। पहले दिन भगवान गणेश को कपूरकंद का भोग अर्पित कर श्रद्धालुओं में प्रसादी वितरित की गई। गणनायक फाउंडेशन ने यह धार्मिक आयोजन शुरू किया है। अब यह हर तीज-त्योहारों पर लगातार जारी रहेगा।

खाद वितरण में लापरवाही पर कलेक्टर की कार्रवाई, ई-टोकन से तत्काल शुरू कराया वितरण

बंद मिला खाद गोदाम, प्रभारी को किया निलंबित

सागर। दोपहर मेट्रो

किसानों को खाद वितरण में हो रही परेशानी और गोदाम समय पर नहीं खुलने की शिकायतों पर कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने सख्त कार्रवाई की है। खुरई रोड स्थित नई गल्ला मंडी के मार्कफेड खाद गोदाम का औचक निरीक्षण किया गया। दोपहर 12:30 बजे निरीक्षण दल पहुंचा तो गोदाम बंद मिला और खाद वितरण शुरू नहीं हुआ था। दूर-दराज से आए किसान तेज धूप में परेशान हो रहे थे। अधिकारियों ने तत्काल गोदाम खुलवाकर ई-टोकन प्रणाली से खाद वितरण शुरू कराया और मौके पर पंचनामा तैयार किया।

नियमानुसार खाद गोदाम सुबह 8 से रात 8 बजे तक खुलना था, पर गोदाम बंद मिला। वरिष्ठ क्षेत्र सहायक एवं गोदाम प्रभारी राजाराम सोनी ड्यूटी से अनुपस्थित पाए गए।



लगातार कलेक्टर को मिल रही शिकायत, जांच कराई तो खुली पोल

दरसअल, किसान लगातार कलेक्टर से शिकायत कर रहे थे। उन्हें खाद वितरण न करने की सूचना दे रहे थे। ऐसे में कलेक्टर ने जांच कराई तो व्यवस्था की पोल खुल गई। कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने तत्काल मार्कफेड के गोदाम का औचक निरीक्षण करने के लिए टीम बनाई तो पोल खुल गई। इसके बाद शासकीय कार्य में लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर यादव के आदेश पर गोदाम प्रभारी राजाराम सोनी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि किसानों को खाद वितरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गैस सिलेंडरों से भरा ट्रक खाई में उतरा, टल गया बड़ा हादसा



तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तेंदूखेड़ा-दमोह मार्ग पर सांगा गांव के पास सुबह 5:30 बजे गैस सिलेंडरों से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर खाई में जा पहुंचा। सामने से आ रहे ट्रक को बचाने के प्रयास में चालक संजीव तिवारी निवासी कटनी ने नियंत्रण खो दिया। ट्रक पेड़ों को उखाड़ते हुए वन विभाग की पत्थर की खकरी से टकराकर रुक गया। इस दौरान भरे हुए सिलेंडर जंगल में दूर तक बिखर गए। गनीमत रही कि चालक सुरक्षित बच गया और कोई जनहानि नहीं हुई। सूचना पर पुलिस और 108 एंबुलेंस पहुंची। भाई दूज के कारण मार्ग पर वाहनों का दबाव भी अधिक था। ग्रामीणों ने बताया कि अंधे मोड़ पर संकेतक बोर्ड और सुरक्षा रेलिंग नहीं होने से हादसों का खतरा बना रहता है। लोगों ने प्रशासन से सुरक्षा इंतजाम करने की मांग की है।

मेट्रो एंकर | 21 से 27 नवंबर तक सात दिवसीय राष्ट्रीय आयोजन

उज्जैन में सजेगी कला, साहित्य-संस्कृति की महफिल

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

महाकवि कालिदास की काव्य साधना, भारतीय संस्कृति और शास्त्रीय कलाओं की समृद्ध परंपरा को समर्पित अखिल भारतीय कालिदास समारोह के लिए उज्जैन तैयार है। 21 से 27 नवंबर तक आयोजित होने वाले सात दिवसीय राष्ट्रीय समारोह में देशभर के विद्वान, साहित्यकार, कलाकार और संस्कृत के मर्मज्ञ शामिल होंगे। मुख्य आयोजन से पहले 19 और 20 नवंबर को पूर्वरंग के तहत वागर्चन, मंगल कलश यात्रा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। मप्र शासन के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में कालिदास संस्कृत अकादमी एवं सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय द्वारा समारोह होने जा रहा है। केंद्रीय समिति के सदस्य श्रीपाद जोशी, रूप पमनानी और राजेश सिंह कुशवाह ने कार्यक्रमों की जानकारी दी। 25 नवंबर को संस्कृत कवि समवाय के साथ पद्मभूषण अजय चक्रवर्ती का शास्त्रीय गायन होगा। 26 नवंबर को 'कालिदास का अद्वैत वेदांत' विषय पर विमर्श, धर्माचार्य सम्मेलन और अखिल भारतीय नृत्य नाटिका प्रतियोगिता होगी।

मां गढ़कालिका मंदिर में वागर्चन से शुरुआत

19 नवंबर को सुबह 9 बजे मां गढ़कालिका मंदिर में वागर्चन होगा। इसमें गुरुकुल के विद्यार्थी और संस्कृत विद्वान श्यामलादण्डकम् का पाठ करेंगे। विभिन्न नृत्य संस्थाओं द्वारा देवी स्तुति पर आधारित नृत्य नाटिका प्रस्तुत की जाएगी। 20 नवंबर को सुबह 8:30 बजे रामघाट पर कलश पूजन और 9:30 बजे फ्रीगंज टॉवर चौक से भव्य मंगल कलश यात्रा निकलेगी। इसमें विद्यार्थी, स्काउट-गाइड, एनएसएस, पुलिस बैंड, लोक कलाकार और विभिन्न झांकियां शामिल होंगी। यात्रा कालिदास अकादमी परिसर में संपन्न होगी। 21 नवंबर को शाम 4 बजे समारोह का शुभारंभ होगा। पहली सांस्कृतिक संध्या में पद्मश्री उषा बारले छत्तीसगढ़ की पंडवानी प्रस्तुत करेंगी। 22 से 24 नवंबर तक कालिदास के साहित्य और काव्य परंपरा पर शोध संगोष्ठियां होंगी।

27 नवंबर को पुरस्कार वितरण के साथ समापन

समारोह का समापन 27 नवंबर को शाम 4 बजे पुरस्कार वितरण के साथ होगा। अंतिम सांस्कृतिक संध्या में मैहर का शास्त्रीय वाद्यवृंद नलतरंग की प्रस्तुति देगा। साथ ही बोली-भाषा कवि सम्मेलन आयोजित होगा। सात दिनों तक उज्जैन में साहित्य, शास्त्र, संगीत, नृत्य और लोक संस्कृति का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। इसकी तैयारियां तकरीबन पूरी कर ली गई हैं।

गांजा बेचने की फिराक में खड़ा आरोपी गिरफ्तार 800 ग्राम गांजा जब्त

सागर। अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मोतीनगर थाना पुलिस ने 65 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 800 ग्राम गांजा बरामद किया है। जब्त गांजे की कीमत करीब 8 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि मछरयाई क्षेत्र में शीतला माता मंदिर के पास रहने वाला सुरेश शाक्य अपने घर के बाहर गांजा बेचने की फिराक में खड़ा है। सूचना पर पुलिस टीम ने तत्काल दबिश देकर घेराबंदी की और आरोपी को पकड़ लिया। तलाशी में उसके पास से 800 ग्राम गांजा मिला। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई कर मादक पदार्थ जब्त किया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524

सैंडपेपर कांड पर उस्मान ख्वाजा का सबसे बड़ा खुलासा!

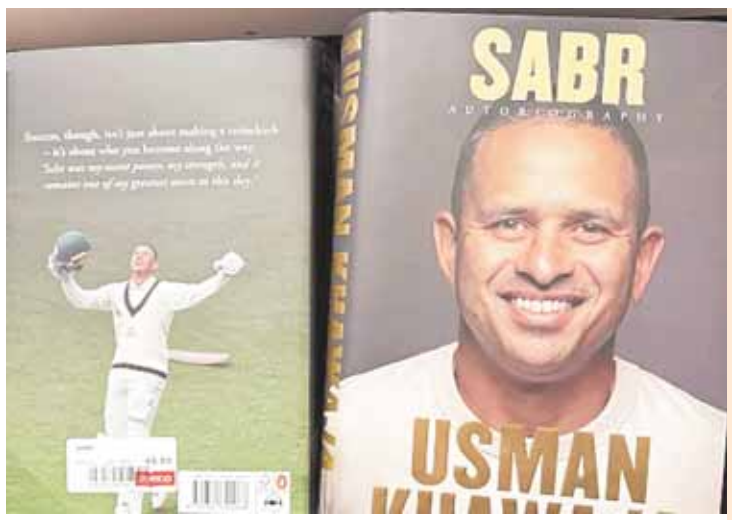
सवालों की बौछार हुई तो ख्वाजा ने इंटरव्यू से बनाई दूरी, कमिंस-स्टार्क पर साधी चुप्पी

मेलबर्न, एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के इतिहास का सबसे विवादित अध्याय एक बार फिर चर्चा में है। 2018 के बहुचर्चित सैंडपेपर कांड को लेकर पूर्व ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने अपनी नई आत्मकथा Sabr में ऐसे दावे किए हैं, जिन्होंने क्रिकेट जगत में नई बहस छेड़ दी है। ख्वाजा का दावा है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन टेस्ट में गेंद से छेड़छाड़ की योजना की जानकारी पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को थी, लेकिन इस मामले में कार्रवाई का सामना सिर्फ स्टीव स्मिथ, डेविड वॉर्नर और कैमरन बैनक्रॉफ्ट को करना पड़ा।

ख्वाजा के इन दावों के बाद पुराने विवाद की परतें फिर खुलने लगी हैं। सबसे दिलचस्प बात यह है कि जब उनसे टीम के अन्य खिलाड़ियों, खासकर प्रमुख गेंदबाजों की भूमिका को लेकर सवाल पूछे गए तो उन्होंने सीधे जवाब देने से परहेज किया। विवाद के बीच उन्होंने अपनी किताब के प्रचार के लिए होने वाले इंटरव्यू से भी दूरी बना ली है।

ख्वाजा की आत्मकथा मंगलवार को रिलीज हुई थी। इसमें उन्होंने 2018 के दक्षिण अफ्रीका दौरे और केपटाउन टेस्ट के दौरान हुए सैंडपेपर कांड पर अपने अनुभव साझा किए हैं। उनका कहना है कि गेंद की स्थिति बदलने के लिए सैंडपेपर के इस्तेमाल की योजना के बारे में पूरी टीम को जानकारी थी। उन्होंने तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ, उपकप्तान डेविड वॉर्नर और कैमरन बैनक्रॉफ्ट पर हुई कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उनके मुताबिक, इस मामले में इन तीन खिलाड़ियों को ही जिम्मेदार ठहराया गया, जबकि घटनाक्रम की जानकारी टीम के अन्य सदस्यों को भी थी।



वॉर्नर ने किया समर्थन

इस विवाद में डेविड वॉर्नर भी सामने आए हैं। उन्होंने ख्वाजा के समर्थन में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से सैंडपेपर कांड की जांच दोबारा खोलने की मांग की है। वॉर्नर ने पहले हुई जांच को जल्दबाजी में की गई और खामियों से भरी प्रक्रिया बताया है। गौरतलब है कि 2018 में केपटाउन टेस्ट के दौरान कैमरन बैनक्रॉफ्ट को गेंद पर सैंडपेपर रगड़ते हुए कैमरे में पकड़ा गया था। इसके बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने स्टीव स्मिथ और डेविड वॉर्नर पर एक-एक साल तथा बैनक्रॉफ्ट पर नौ महीने का प्रतिबंध लगाया था।

कमिंस, स्टार्क और हेजलवुड पर सवाल, ख्वाजा ने नहीं खोले पत्ते

ख्वाजा के दावों पर बुक्ष्ट को दिए गए इंटरव्यू में उनसे तीखे सवाल किए गए। उनसे पूछा गया कि क्या पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और नाथन लियोन जैसे प्रमुख गेंदबाज भी गेंद से छेड़छाड़ की योजना से जुड़ी चर्चाओं में शामिल थे? मौजूदा टेस्ट कप्तान पैट कमिंस को लेकर भी सीधा सवाल किया गया कि क्या उन्हें सैंडपेपर के इस्तेमाल की पहले से जानकारी थी? हालांकि, ख्वाजा ने इन सवालों का स्पष्ट जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि अपनी किताब में उन्होंने सिर्फ अपना %सच% बताया है। उनके इस रुख के बाद विवाद और गहरा गया है। क्रिकेट प्रशंसकों के बीच अब यह सवाल चर्चा में है कि ख्वाजा के दावों के पीछे कौन-सी जानकारियां हैं और उस समय टीम के भीतर वास्तव में क्या हुआ था। ख्वाजा के खुलासे पर उनके पूर्व साथी मिचेल स्टार्क ने असहमति जताई है। स्टार्क ने अपना पुराना रुख दोहराते हुए कहा है कि गेंदबाजों को गेंद से छेड़छाड़ की साजिश की जानकारी नहीं थी। उन्होंने 2021 में भी यही बात कही थी। इस तरह एक ही टीम का हिस्सा रहे खिलाड़ियों के बयान अलग-अलग नजर आ रहे हैं। ख्वाजा का दावा पूरी टीम की जानकारी की ओर इशारा करता है, जबकि स्टार्क गेंदबाजों की अनभिज्ञता की बात कर रहे हैं।

एसीए की अपील- पुराने विवाद में खिलाड़ियों को निशाना बनाना बंद करें | ऑस्ट्रेलियन क्रिकेटर्स एसोसिएशन ने इस विवाद के बीच खिलाड़ियों के खिलाफ निजी हमलों और ऑनलाइन दुर्व्यवहार रोकने की अपील की है। संगठन के मुख्य कार्यकारी पॉल मार्श ने कहा कि 2018 के दक्षिण अफ्रीका दौरे में शामिल खिलाड़ियों को पहले ही बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ी है। उन्होंने कहा कि आठ साल बाद अलग-अलग खिलाड़ियों की यादें और नजरिए अलग हो सकते हैं। सभी को अपने अनुभव साझा करने का अधिकार है, लेकिन लगातार निजी हमले और नफरत बंद होनी चाहिए।

सचिन के 100 शतकों की कहानी अब देखेगी दुनिया!

एमसीए म्यूजियम को भेंट करेंगे ऐतिहासिक बल्ले, 26 बैट से सजेगी बैटोग्राफी

16 नवंबर 2026 को होगा विशेष आयोजन; हेलमेट, जर्सी और निजी नोट्स भी बनेंगे आकर्षण

मुंबई, एजेंसी

क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर एक बार फिर अपने प्रशंसकों को ऐसा तोहफा देने जा रहे हैं, जो भारतीय क्रिकेट इतिहास में हमेशा याद रखा जाएगा। मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर अपने क्रिकेट करियर की कुछ सबसे अनमोल और ऐतिहासिक यादगार चीजें मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) को भेंट करेंगे। इनमें वे बल्ले भी शामिल हैं, जिनसे उन्होंने अपने ऐतिहासिक 100 अंतरराष्ट्रीय शतकों के सफर को यादगार बनाया था। इन बल्लों को एमसीए के शरद पवार क्रिकेट म्यूजियम में प्रदर्शित किया जाएगा, जहां क्रिकेट प्रेमियों को सचिन के सुनहरे करियर को करीब से देखने का मौका मिलेगा।

इस खास पहल का सबसे बड़ा आकर्षण बैटोग्राफी नाम की विशेष प्रदर्शनी होगी। इसमें सचिन तेंदुलकर के 26 ऐतिहासिक बल्लों के साथ उनके करियर से जुड़ी अन्य यादगार वस्तुएं भी प्रदर्शित की जाएंगी। बैटोग्राफी का विचार बायोग्राफी से प्रेरित है। इसमें सचिन के क्रिकेट सफर को उन बल्लों के माध्यम से पेश किया जाएगा, जिनके साथ उन्होंने मैदान पर ऐतिहासिक पारियां खेलीं और क्रिकेट की दुनिया में नए कीर्तिमान स्थापित किए। हर बल्ला उनके करियर के एक खास अध्याय और यादगार उपलब्धि की कहानी बयां करेगा।



एमसीए अध्यक्ष बोले- पीढ़ियों तक सुरक्षित रहेगी सचिन की विरासत

मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने इस पहल पर खुशी जताते हुए कहा कि सचिन तेंदुलकर का भारतीय और विश्व क्रिकेट में योगदान उनके रिकॉर्ड्स से कहीं अधिक है। उनका सफर करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों की यादों में बसा हुआ है। उन्होंने कहा कि बैटोग्राफी के माध्यम से दर्शकों को उन ऐतिहासिक उपलब्धियों के पीछे की कहानी उन्हीं बल्लों के जरिए जानने का अवसर मिलेगा, जिनसे सचिन ने ये कीर्तिमान बनाए। एमसीए को गर्व है कि सचिन ने अपनी अनमोल धरोहर संस्था के साथ साझा करने का निर्णय लिया है। यह पहल केवल एक क्रिकेट प्रदर्शनी नहीं, बल्कि भारतीय क्रिकेट के स्वर्णिम इतिहास को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का अनूठा प्रयास है। सचिन के 26 बल्ले अब उनकी मेहनत, जुनून, संघर्ष और ऐतिहासिक उपलब्धियों की कहानी दुनिया के सामने रखेंगे।

सैफ चैंपियनशिप: भारत ने कटाया सेमीफाइनल का टिकट, मालदीव को एकतरफा अंदाज में हराया

नई दिल्ली , एजेंसी

ढाका के नेशनल स्टेडियम में बुधवार को खेले गए ग्रुप बी के अपने आखिरी मैच में सुहेल अहमद भट के 38वें मिनट में किए गए पेनल्टी गोल और प्रियांश दुबे के शानदार बचाव की बदौलत भारत ने मालदीव को 1-0 से हराकर सैफ चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। गत चैंपियन भारत ने ग्रुप स्टेज में छह अंकों के साथ अपना सफर खत्म किया, जबकि पाकिस्तान तीन अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

मालदीव बिना कोई अंक हासिल किए टूर्नामेंट से बाहर हो गया। 14 नवंबर को होने वाले सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला बांग्लादेश, भूटान या श्रीलंका में से किसी एक टीम से होगा। हेड कोच नौशाद मूसा ने पाकिस्तान को 3-2 से हराने वाली टीम में सात बदलाव किए। अभिषेक सूर्यवंशी, मुहम्मद उवैस, सुहेल अहमद भट और रिकी शबोंग अपनी जगह बनाए रखने में कामयाब रहे। गोलकीपर के तौर पर अर्श अनवर शेख की जगह प्रियांश दुबे को मौका मिला, जबकि बिजॉय वर्गीज के न्यूजीलैंड चले जाने के बाद चिंगलेनसाना सिंह कोन्शम ने कप्तानी संभाली। भट ने शुरुआत में ही नियर-पोस्ट पर एक शॉट लगाकर गोलकीपर हुसैन शरीफ को चुनौती दी, लेकिन भारत को बढ़त लेने के लिए पेनल्टी का इंतजार करना पड़ा। अब्दुल रबीह ने हुसैन सिफाऊ यूसुफ से गेंद छीनी, जिसके बाद डिफेंडर ने उन्हें बॉक्स के अंदर गिरा दिया। भट ने शरीफ को छकाते हुए गेंद को गोल के निचले बाएं कोने में पहुंचा दिया। इस गोल के साथ टूर्नामेंट में भट के कुल गोलों की संख्या 3 हो गई है। इससे पहले, उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ मैच के पहले हाफ में दो गोल (ब्रेस) किए थे।



क्रिकेट की दुनिया में अफगानिस्तान का ऐतिहासिक धमाका!

रहमत शाह ने आईसीसी टेस्ट रैंकिंग के टॉप-10 में बनाई जगह, गिल को छोड़ा पीछे

दुबई, एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अफगानिस्तान ने एक बार फिर अपनी बढ़ती ताकत का लोहा मनवाया है। टीम के कप्तान और स्टार बल्लेबाज रहमत शाह ने ऐसा ऐतिहासिक कारनामा कर दिखाया है, जिसने अफगान क्रिकेट को नई पहचान दिलाई है। रहमत शाह आईसीसी पुरुष टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग के टॉप-10 में जगह बनाने वाले अफगानिस्तान के पहले क्रिकेटर बन गए हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ शारजाह टेस्ट में शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्होंने सीधे छह पायदान की छलांग लगाते हुए सातवां स्थान हासिल किया है। जिम्बाब्वे के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में रहमत शाह ने 173 रनों की शानदार पारी खेली। यह उनके टेस्ट करियर का पांचवां शतक और इस साल का दूसरा शतक था। उनकी इस बेहतरीन बल्लेबाजी ने न सिर्फ अफगानिस्तान को मजबूती दी, बल्कि उन्हें करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग भी दिलाई।



रहमत ने रैंकिंग में भारत के कप्तान शुभमन गिल, दक्षिण अफ्रीका के एडन मार्करम और श्रीलंका के कामिंदू मेंडिस जैसे दिग्गज बल्लेबाजों को पीछे छोड़ दिया। यह उपलब्धि अफगानिस्तान क्रिकेट के लिए किसी बड़ी कामयाबी से कम नहीं है।

जिम्बाब्वे के क्रेग इरविन को भी मिला फायदा- ताजा टेस्ट रैंकिंग में जिम्बाब्वे के बल्लेबाज क्रेग इरविन ने भी शानदार छलांग लगाई है। अफगानिस्तान के खिलाफ शारजाह टेस्ट की दूसरी पारी में दोहरा शतक जड़ने वाले इरविन नौ स्थान ऊपर चढ़कर 48वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

वहीं, बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के बीच टेस्ट सीरीज के बाद बल्लेबाजी रैंकिंग में भी बदलाव देखने को मिला। वेस्टइंडीज के कावेम हॉज 12 स्थान ऊपर चढ़कर 52वें, बांग्लादेश के तौहीद हृदॉय 60वें और आमिर जंगू 28 स्थान की छलांग लगाकर 62वें नंबर पर पहुंच गए।

वनडे रैंकिंग में भारतीय गेंदबाजों का धमाका

भारत और न्यूजीलैंड के बीच वनडे सीरीज के शुरुआती दो मुकाबलों के बाद भारतीय गेंदबाजों ने भी रैंकिंग में शानदार प्रदर्शन किया है। अक्षर पटेल 23 स्थान ऊपर चढ़कर 21वें नंबर पर पहुंच गए। अर्शदीप सिंह 11 स्थान की छलांग लगाकर 31वें पायदान पर आ गए, जबकि युवा तेज गेंदबाज गुरनूर बरार दो मैचों में सात विकेट लेकर 48वें स्थान पर पहुंच गए। कुल मिलाकर ताजा आईसीसी रैंकिंग ने अफगानिस्तान के ऐतिहासिक उभार के साथ भारतीय गेंदबाजों की चमक और वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों की शानदार प्रगति को भी दुनिया के सामने ला दिया है।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

10 साल की कड़वाहट पर लगा विराम, दिवाली पार्टी में हिना खान और राजन शाही ने साथ दिए पोज

मुंबई। टेलीविजन की दुनिया से एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जिसने मनोरंजन जगत में चर्चाओं का बाजार गर्म कर दिया है। लोकप्रिय अभिनेत्री हिना खान और मशहूर टीवी प्रोड्यूसर राजन शाही लंबे समय बाद एक साथ नजर आए हैं। दोनों की यह मुलाकात एक दिवाली पार्टी के दौरान हुई, जहां उन्होंने अन्य मेहमानों के साथ कैमरे के सामने पोज भी दिए। खास बात यह है कि दोनों के बीच सालों से कथित मनमुटाव की खबरें सामने आती रही हैं। ऐसे में एक साथ उनकी तस्वीर देखकर फैंस के बीच सवाल उठने लगे हैं कि क्या पुरानी दूरियां अब खत्म हो रही हैं?

इस मुलाकात की तस्वीर राजन शाही की बेटी इशिका ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा की। तस्वीर में हिना खान और राजन शाही एक ही फ्रेम में अन्य लोगों के साथ नजर आ रहे हैं। तस्वीर सामने आते ही सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। कुछ यूजर्स ने हैरानी जताई, तो कई प्रशंसकों ने दोनों को साथ देखकर खुशी जाहिर की। हालांकि, दोनों के बीच रिश्ते सामान्य होने या किसी सुलह की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इस मुलाकात ने पुरानी चर्चाओं को फिर से सुर्खियों में ला दिया है।



हिना खान ने राजन शाही के लोकप्रिय धारावाहिक ये रिश्ता क्या कहलाता हैमें अक्षरा का मुख्य किरदार निभाया था। करीब आठ साल तक इस शो से जुड़कर उन्होंने घर-घर में अपनी पहचान बनाई। अक्षरा के किरदार ने उन्हें टेलीविजन की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शामिल कर दिया। हालांकि, शो छोड़ने के बाद उनके और निर्माताओं के बीच सबकुछ ठीक नहीं रहा। हिना ने एक इंटरव्यू में स्वीकार किया था कि उनका शो से जाना अच्छे माहौल में नहीं हुआ था। साल 2024 में भी उन्होंने कहा था कि भले ही विदाई अच्छे नोट पर नहीं हुई, लेकिन वह निर्माताओं का सम्मान करती हैं।

स्क्रिप्ट और डायलॉग को लेकर हुआ था विवाद

दूसरी ओर, राजन शाही ने भी एक इंटरव्यू में हिना खान के साथ हुए विवाद को लेकर अपनी बात रखी थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि हिना स्क्रिप्ट में काफी दखल देती थीं, जिससे सेट पर परेशानियां पैदा होती थीं। राजन शाही के मुताबिक, एक बार हिना ने शिवांगी जोशी के किरदार नायरा के समर्थन में कुछ डायलॉग बोलने से इनकार कर दिया था। इसी विवाद के बाद उनका अनुबंध समाप्त कर दिया गया था। करीब एक दशक बाद दोनों का एक साथ नजर आना निश्चित रूप से चर्चा का विषय बन गया है।

बच्चन साहब गाते तो हैं, लेकिन रिलीज नहीं करते गाने, रणबीर कपूर ने KBC में किया बड़ा खुलासा

मुंबई। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन अपनी दमदार अदाकारी और बुलंद आवाज के लिए पूरी दुनिया में मशहूर हैं, लेकिन उनके व्यक्तित्व का एक ऐसा दिलचस्प पहलू सामने आया है, जिसके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। अभिनेता रणबीर कपूर ने क्विज रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति-18 में खुलासा किया कि अमिताभ बच्चन को संगीत का बेहद शौक है और उनके घर में एक निजी रिकॉर्डिंग स्टूडियो भी है। जहां बिग बी रात-रातभर रैप और भजन रिकॉर्ड करते हैं, लेकिन अपने इन गानों को कभी रिलीज नहीं करते।रणबीर कपूर इन दिनों अपनी फिल्म रामायणः पार्ट 1 को लेकर चर्चा में हैं। इसी बीच केबीसी के मंच पर उन्होंने अमिताभ बच्चन के संगीत प्रेम से जुड़ा दिलचस्प किस्सा साझा किया। रणबीर ने बताया, ÷बच्चन साहब के घर में एक रिकॉर्डिंग स्टूडियो है। वे रात-रातभर रैप और भजन रिकॉर्ड करते हैं, लेकिन कभी रिलीज नहीं करते। रणबीर की यह बात सुनकर शो में मौजूद दर्शक भी हैरान रह गए। इसके बाद अमिताभ बच्चन ने अपने चिरपरिचित मजाकिया अंदाज में जवाब देते हुए कहा कि गाने लायक आवाज भी तो होनी चाहिए। उन्होंने पिच करेक्शन तकनीक का जिक्र करते हुए कहा कि एक ऐसा यंत्र आता है, जिसमें बेसुरा गाने पर भी आवाज सुर में निकलती है। अमिताभ बच्चन का संगीत से पुराना और गहरा रिश्ता रहा है। अभिनय के साथ-साथ उन्होंने गायकी में भी अपनी अलग पहचान बनाई है। साल 1979 में फिल्म मिस्टर नटवरलाल के गीत मेरे पास आओ से उन्होंने गायकी की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने कई यादगार गानों को अपनी आवाज दी। इनमें फिल्म सिलसिला का रंग बरसे, लावारिस का मेरे अंगने में, बागबान का होरी खेले रघुवीरा और मैं यहां तू वहां जैसे लोकप्रिय गाने शामिल हैं। इसके अलावा नीला आसमां सो गया, कहानी का एकला चलो रे और शमिताभ% का पिडली सी बातें भी उनके चर्चित गीतों में शामिल हैं।





मेट्रो बाजार

सरकार ने लिथियम-आयन ब्लैक मास सहित बैटरी स्क्रैप के निर्यात पर लगाई रोक

नई दिल्ली । सरकार ने प्राथमिक सेल, प्राथमिक बैटरी और इलेक्ट्रिक एक्यूमुलेटर के कचरे एवं स्क्रैप के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। इसमें लिथियम-आयन बैटरी का ब्लैक मास भी शामिल है। वाणिज्य मंत्रालय के तहत आने वाले विदेश व्यापार महानिदेशालय ने एक अधिसूचना में कहा कि उसने संबंधित उत्पाद की निर्यात नीति में बदलाव किया है। अधिसूचना के मुताबिक, आईटीसी कोड 85491400 के तहत प्राथमिक सेल, प्राथमिक बैटरी और इलेक्ट्रिक एक्यूमुलेटर के कचरे एवं स्क्रैप तथा इस्तेमाल की जा चुकी प्राथमिक सेल, प्राथमिक बैटरी और इलेक्ट्रिक एक्यूमुलेटर, जो बिना छांटे हुए हैं और जिनमें सीसा, कैडमियम या पारा नहीं है (लिथियम-आयन बैटरी ब्लैक मास), की निर्यात नीति को तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक मुक्त से बदलकर प्रतिबंधित कर दिया गया है।इसमें कहा गया कि यह संशोधन विदेश व्यापार (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1992 के तहत किया गया है। इस अधिसूचना पर विदेश व्यापार नीति 2023 के पैरा 1.05 के तहत अंतरिम प्रावधान लागू होंगे। सरकार का उद्देश्य घरेलू बैटरी रीसाइक्लिंग क्षमता को मजबूत करना और महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति सुनिश्चित करना है। पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने महत्वपूर्ण खनिजों के प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए 2,814 करोड़ रुपए के पूंजीगत व्यय सहायता योजना को मंजूरी दी थी।

म्यूचुअल फंड्स की दमदार वापसी, अक्टूबर में इनफ्लो 1.74 लाख करोड़ रुपए रहा

मुंबई । भारतीय म्यूचुअल फंड्स इंडस्ट्री ने अक्टूबर में दमदार वापसी की है और इस दौरान शुद्ध इनफ्लो 1,73,839.91 करोड़ रुपए रहा है। इससे पहले सितंबर में यह -1,33,375.57 करोड़ रुपए था। यह जानकारी एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) की ओर से जारी आंकड़ों में दी गई। एम्फी के आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में इनफ्लो 32,993.64 करोड़ रुपए रहा है। इसमें लार्ज एंड मिडकैप फंड्स 8,484.23 करोड़ रुपए के शुद्ध इनफ्लो के साथ पहले स्थान पर रहे। इसके बाद स्मॉलकैप फंड्स 6,407.50 करोड़ रुपए और फ्लेक्सीकैप फंड्स 4,979.95 करोड़ रुपए के निवेश के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर थे। इसके अलावा, अक्टूबर में मिडकैप फंड्स में 4,892.62 करोड़ रुपए, मल्टीकैप फंड्स में 2,977.86 करोड़ रुपए, कॉन्ट्रा फंड्स में 1,694.13 करोड़ रुपए और लार्जकैप फंड्स में 1,032.39 करोड़ रुपए का शुद्ध इनफ्लो दर्ज किया गया है।

अक्टूबर में इंडेक्स फंड्स में 3,090.51 करोड़ रुपए का शुद्ध इनफ्लो दर्ज किया गया है। इसमें इक्विटी फंड्स में 1,947.81 करोड़ रुपए, डेट फंड्स में 1,134.42 करोड़ रुपए और हाइब्रिड फंड्स में 8.27 करोड़ रुपए का निवेश आया है। वहीं, एक्सचेंज ट्रेड फंड्स (ईटीएफ) में अक्टूबर में शुद्ध इनफ्लो 20,303.98 करोड़ रुपए रहा है। इसमें इक्विटी ईटीएफ में 12,973.78 करोड़ रुपए, डेट ईटीएफ में 751.11 करोड़ रुपए, गोल्ड ईटीएफ में 3,474.03 करोड़ रुपए, सिल्वर ईटीएफ में 3,092.22 करोड़ रुपए और अन्य ईटीएफ में 10.92 करोड़ रुपए था। भारत के बाहर के बाजारों में निवेश करने वाला फंड्स में अक्टूबर में आउटफ्लो दर्ज किया है, जो कि -370.11 करोड़ रुपए रहा है।





सात समंदर पार से संगम पहुंचे विदेशी मेहमान, साइबेरियन पक्षियों की चहचहाहट से गुलजार हुए घाट

प्रयागराज। आस्था की नगरी प्रयागराज में इन दिनों श्रद्धा के साथ-साथ प्रकृति का भी अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। सर्दियों की शुरुआत होते ही साइबेरिया और अन्य ठंडे देशों से हजारों प्रवासी पक्षी हजारों किलोमीटर की दूरी तय करके संगम तट पर आ पहुंचे हैं। गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम पर अनुकूल वातावरण और विशाल जल क्षेत्र की तलाश में आए इन सफेद परिंदों ने घाटों को गुलजार कर दिया है। सुबह की धूप में जब ये पक्षी एक साथ उड़ान भरते हैं और पानी की सतह पर उतरते हैं, तो पूरा नजारा जीवंत हो उठता है।

पुलिसकर्मी और छत्तीसगढ़ के दो मजदूरों की हत्या में भी नाम, सुरक्षा एजेंसियों ने तलाश तेज की

कुलगाम में सुरक्षा बलों की चौकी पर हमले के पीछे लश्कर के कमांडर बट पर शक

श्रीनगर, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की सुरक्षा चौकी पर हुए हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने लश्कर-ए-तैयबा के स्थानीय कमांडर मोहम्मद लतीफ बट की तलाश तेज कर दी है। इस हमले में तीन जवान घायल हुए थे। जांच एजेंसियों को संदेह है कि हमले के पीछे करीब 22 वर्षीय लतीफ बट का हाथ हो सकता है। वह दक्षिण कश्मीर में सक्रिय बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, घाटी में सक्रिय स्थानीय आतंकियों में वह फिलहाल बचा हुआ एकमात्र आतंकवादी है। उसकी गिरफ्तारी में मदद करने वाली जानकारी देने वाले व्यक्ति के लिए 15 लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया है।

सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, मोहम्मद लतीफ बट कुलगाम जिले के खेवान चाडर की नई बस्ती का रहने वाला है। वह पहले महाविद्यालय में पढ़ाई करता था, लेकिन कुछ समय बाद उसने पढ़ाई छोड़ दी। इसके बाद वह स्थानीय स्तर पर बढ़ई का काम करने लगा। सामान्य जीवन जी रहे लतीफ के अचानक लापता होने से उसके परिवार को भी चिंता हुई थी। बताया जाता है कि नवंबर 2025 में वह अपने घर से अचानक गायब हो गया था। करीब 19 नवंबर को उसके परिवार ने पुलिस में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। बाद में सुरक्षा एजेंसियों को उसके लश्कर-ए-तैयबा में शामिल होने की जानकारी मिली। इसके बाद से ही वह सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी और तलाश के दायरे में है।



शोपियां में अभियान के दौरान बच निकला था

सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, लतीफ दक्षिण कश्मीर के अलग-अलग इलाकों में सक्रिय है। जुलाई 2026 में शोपियां में चलाए गए सुरक्षा अभियान के दौरान वह बचकर निकलने में सफल रहा था। उस समय उसके संपर्क में जाकिर अहमद गनी भी था। जाकिर जुलाई 2026 में शोपियां में हुई मुठभेड़ के दौरान मारा गया था। एजेंसियों को आशंका है कि लतीफ को कुछ विदेशी आतंकवादियों का सहयोग मिल रहा है। लतीफ बट का नाम अनंतनाग में पुलिस हेड कांस्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी की हत्या में भी सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, 22 जुलाई 2026 को अनंतनाग के एक भीड़भाड़ वाले बाजार में हेड कांस्टेबल की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस वारदात में लतीफ की भूमिका होने का संदेह जताया गया है। घटना के बाद से सुरक्षा एजेंसियां उसकी गतिविधियों पर नजर रख रही हैं और गिरफ्तारी के प्रयास कर रही हैं।

छत्तीसगढ़ के दो मजदूरों की हत्या का भी आरोप

कुलगाम जिले के किलम (केल्लम) इलाके में छत्तीसगढ़ के दो मजदूरों की हत्या में भी लतीफ का नाम सामने आया है। करीब 31 जुलाई 2026 को एक ईंट भट्ठे पर काम करने वाले दोनों गैर-स्थानीय मजदूरों को गोली मार दी गई थी। हमले में दोनों की मौत हो गई थी। पुलिस ने इस घटना को लक्षित हत्या माना था। इस वारदात के बाद दक्षिण कश्मीर में काम करने वाले दूसरे राज्यों के मजदूरों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई थी।

वांछित सूची में शामिल चार नाम

- **मोहम्मद लतीफ बट:** कुलगाम जिले का निवासी और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा कमांडर।
- **बिलाल अहमद मीर:** सोपोर के ब्रथ कलां इलाके से संबंधित।
- **मोहम्मद उमर मीर:** सोपोर के ब्रथ कलां इलाके से संबंधित।
- **आबिद कयूम लोन:** बारामूला जिले के पट्टन इलाके से संबंधित।

हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

कुलगाम में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की चौकी पर हमले के बाद सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। एजेंसियां लतीफ की संभावित भूमिका, उसके स्थानीय संपर्कों और विदेशी आतंकियों से संबंधों की जांच कर रही हैं। सुरक्षा बलों का प्रयास है कि उसे जल्द पकड़कर दक्षिण कश्मीर में सक्रिय आतंकी नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। फिलहाल हमले में उसकी भूमिका जांच का विषय है और अंतिम निष्कर्ष जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएगा।

सोनिया गांधी की आत्मकथा पर बनेगी फिल्म

पीएम पद ठुकराने से लेकर कांग्रेस की कमान संभालने तक, दिखेगा पूरा सफर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय राजनीति में सोनिया गांधी का नाम एक अहम स्थान रखता है। उन्होंने न सिर्फ गांधी परिवार की विरासत को आगे बढ़ाया, बल्कि अपनी अलग राजनीतिक पहचान भी बनाई। अब उनके जीवन और राजनीतिक सफर को पर्दे पर उतारने की तैयारी हो रही है। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष जग्गा रेड्डी ने गुरुवार को ऐलान किया कि कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की आत्मकथा बिलॉन्गिंग-अ जर्नी ऑफ लव पर तेलुगु फीचर फिल्म बनाई जाएगी। इस फिल्म में सोनिया गांधी के जीवन के अलग-अलग पहलुओं और उनके राजनीतिक सफर को दिखाया जाएगा।

संगारेड्डी में कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं की बैठक के दौरान जग्गा रेड्डी ने इस फिल्म की जानकारी दी। उन्होंने संगारेड्डी विधानसभा क्षेत्र के पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से फिल्म बनाने के लिए आगे आकर आर्थिक सहयोग करने की अपील की। इस दौरान विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस संयोजक जुलकांति अंजनेयुलु ने फिल्म के निर्माण के लिए 2 करोड़ रुपये देने का ऐलान किया। जग्गा रेड्डी ने फिल्म के निर्माण की प्रक्रिया शुरू करने के लिए 50 सदस्यों की एक कमेटी बनाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि इस पूरी प्रक्रिया की देखरेख गांधी भवन के जनसंपर्क अधिकारी हरिप्रसाद करेंगे।



फिल्म में दिखाए जाएंगे कई अहम पहलु

जग्गा रेड्डी ने बताया कि सोनिया गांधी की आत्मकथा की प्रतियां मंगवाकर पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच बांटी जाएंगी, ताकि वे उनके जीवन और अनुभवों को बेहतर तरीके से समझ सकें। उन्होंने कहा कि फिल्म में सोनिया गांधी के जीवन के कई अहम पड़ाव दिखाए जाएंगे। इसमें इंदिरा गांधी की बहू, राजीव गांधी की पत्नी और राहुल गांधी व प्रियंका गांधी की मां के रूप में उनकी जिंदगी को दिखाया जाएगा।

मुंबई में नाबालिग बच्चियों के यौन शोषण का बड़ा खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

मुंबई, एजेंसी

मुंबई में नाबालिग बच्चियों के यौन शोषण का गंभीर मामला सामने आया है। समता नगर पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है जबकि दो अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों के मोबाइल फोन की जांच के दौरान 15 से अधिक नाबालिग बच्चियों से जुड़े आपत्तिजनक वीडियो मिलने की बात सामने आई है। इस खुलासे के बाद पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ा दिया है। जानकारी के अनुसार मुंबई के समता नगर पुलिस थाना क्षेत्र के हनुमान नगर इलाके में रहने वाली 14 वर्षीय बच्ची



के साथ दुष्कर्म करने, उसका अश्लील वीडियो बनाने और उसे वायरल करने की धमकी देकर शोषण करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि आरोपियों ने पीड़िता के आपत्तिजनक वीडियो को सार्वजनिक करने की धमकी देकर उस पर दबाव बनाया और इसी का फायदा उठाकर उसका लगातार यौन शोषण किया। इस मामले में सबसे चौंकाने वाला पहलू आरोपियों के मोबाइल फोन की जांच के दौरान कई वीडियो सामने आया है। जब्त किए गए मोबाइल फोन में 15 से अधिक नाबालिग बच्चियों से संबंधित आपत्तिजनक वीडियो मिलने की बात सामने आई है। इस जानकारी के बाद पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि ये वीडियो किन परिस्थितियों में बनाए गए और इनमें कितने लोग शामिल हैं। साथ ही, पुलिस यह भी जांच कर रही है कि कहीं अन्य नाबालिग बच्चियां भी इस शोषण का शिकार तो नहीं हुई हैं।

सिंधुदुर्ग में बढ़ी ठंड, कुडाल में घने कोहरे की चादर, हापुस आम के बागवानों की जगी उम्मीदें

सिंधुदुर्ग। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में पिछले दो से तीन दिनों से ठंड का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। तापमान में गिरावट के कारण सिंधुदुर्ग के मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। सुबह और देर रात ठंड का एहसास अधिक होने लगा है। मुंबई-गोवा राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुडाल इलाके में गुरुवार सुबह घने कोहरे की चादर छाई रही। कोहरे के कारण हाईवे पर दृश्यता काफी कम हो गई, जिससे कुछ ही दूरी पर चल रहे वाहन भी स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं दे रहे थे। सुबह के समय अचानक छाए घने कोहरे के कारण मुंबई-गोवा हाईवे पर यातायात प्रभावित होता नजर आया।

ओडिशा सरकार का बड़ा तोहफा, बाढ़ पीड़ितों को मिलेगा 50 किलो चावल, 2500 कैश

भुवनेश्वर, एजेंसी

ओडिशा सरकार ने हाल में आई बाढ़ से प्रभावित परिवारों को बड़ी राहत देने का निर्णय लिया है। इसके तहत गंजाम, गजपति और कंधमाल जिले के सभी ब्लाकों में बाढ़ प्रभावित प्रत्येक परिवार को 50 किलो चावल और 2500 रुपये की अतिरिक्त आर्थिक सहायता दी जाएगी। राज्य सरकार ने बुधवार को इस संबंध में निर्देश जारी किया। विशेष राहत आयुक्त (एसआरसी) कार्यालय की ओर से जारी आदेश के अनुसार, यह सहायता मुख्यमंत्री की ओर से पहले घोषित राहत पैकेज के अतिरिक्त होगी। इसका उद्देश्य



हालिया बाढ़ से प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत पहुंचाना है।

विशेष राहत आयुक्त कार्यालय ने गंजाम, गजपति और कंधमाल के जिलाधीशों को अपने-अपने जिले के सभी प्रभावित परिवारों की पहचान कर पात्र लाभार्थियों की सूची तैयार करने का निर्देश दिया है। साथ ही यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि राहत का लाभ वास्तविक प्रभावित परिवारों तक पहुंचे। प्रत्येक पात्र परिवार के बैंक खाते में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से 2500 रुपये भेजे जाएंगे। इसके अलावा 50 किलो चावल का वितरण भी चिह्नित लाभार्थियों के बीच किया जाएगा। राहत वितरण में पारदर्शिता और तेजी सुनिश्चित करने के लिए तीनों जिलों के प्रशासन को प्रतिदिन की प्रगति रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है। यह रिपोर्ट प्रत्येक दिन शाम पांच बजे तक विशेष राहत आयुक्त कार्यालय को भेजनी होगी। इसमें चावल वितरण और आर्थिक सहायता के भुगतान की विस्तृत जानकारी देनी होगी।

न्यूयॉर्क के बाद एलए में भी भारतीय मूल की मेयर, नित्या रमन लेंगी शपथ

वाशिंगटन। भारतवंशी नित्या रमन अगले महीने लॉस एंजिल्स की मेयर के रूप में पदभार संभालेंगी। उनके शपथ ग्रहण के साथ ही अमेरिका के दो सबसे बड़े शहरों की कमान भारतीय मूल के अमेरिकियों के हाथों में होगी। वह न्यूयॉर्क के मेयर जोरान ममदानी के साथ मिलकर अमेरिकी स्थानीय प्रशासन में भारतीय प्रवासियों की मौजूदगी का एक अहम पड़ाव तय करेंगी। न्यूयॉर्क में 86 लाख (8.6 मिलियन) और लॉस एंजिल्स में 39 लाख (3.9 मिलियन) को मिलाकर इन शहरों में कुल 1.25 करोड़ (12.5 मिलियन) लोग रहते हैं। ममदानी ने 1 जनवरी को अपना पद संभाला था। रमन अभी मेयर-इलेक्ट (चुनी गई मेयर) हैं और उनका कार्यकाल 14 दिसंबर से शुरू होगा। सत्ता हस्तांतरण (ट्रांजिशन) होने तक कैरेन बास लॉस एंजिल्स की मेयर बनी रहेंगी। रमन का जन्म केरल में हुआ था और वह 6 साल की उम्र में अमेरिका आ गई थीं।

मेट्रो एंकर

कई बिजनेसमैन और नेताओं को किया टारगेट

एलिस से पहले 'फैंग फैंग' ने बिछाया था अमेरिका में हनीट्रैप का जाल

वाशिंगटन/नई दिल्ली, एजेंसी। एनवीडिया के चीफ जेन्सेन हुआंग की प्रेमिका के तौर पर ऐलिस हुआंग काफी सुर्खियों में हैं। अमेरिकी सुरक्षा एजेंसी चीनी जासूस के नजरिए से इस मामले की जांच कर रही है।

इससे पहले भी अमेरिकी की धरती पर चीनी जासूसों का जलवा रहा है। चीन अपने इस पैतरे से कई बार अमेरिका में अपनी दखल देता रहा है। उनके जासूस के कभी किसी राजनेता से किसी तो कभी किसी बिजनेसमैन से नजदीकी संबंध रहे हैं। आज हम ऐसी ही चीनी जासूस की बात करेंगे जो अपने वक्त एफबीआई तक को चकमा देकर अमेरिकी में अपनी धाक जमा चुकी थीं।



फैंग-फैंग ने बिछाया था जाल

ऐलिस से पहले चीन की जासूसों में फैंग-फैंग का नाम काफी ज्यादा फेमस रहा है। लड़कियों का इस्तेमाल करना चीन की नई रणनीति नहीं रही, वो काफी पहले से इस तरह के हतकंडे अपनाता आया है। फैंग-फैंग का असली नाम क्रिस्टीन फैंग बताया जाता है। करीब एक दशक पहले उसने अपने कदमों से चीन के लिए अमेरिकी के कई प्रभावशाली व्यक्तियों के साथ संपर्क बनाए। इतना ही नहीं 'फैंग फैंग' ने कई सालों तक अमेरिकी राजनेताओं, फंड जुटाने वालों और मेयरों के साथ संबंध भी बनाए थे।

एफबीआई की फाइलों से हुआ खुलासा- स्नक्चढ्ढ की हाल ही में सार्वजनिक की गई फाइलों से फैंग-फैंग के ऑपरेशन के बारे में कई बातें सामने आई हैं। इनमें कांग्रेसमैन एरिक स्वैलवेल के साथ उनके करीबी रिश्ते का पता चला। इसके साथ ही वो चुनाव प्रचार के लिए अवैध चंदा जुटाने की कथित कोशिशें की। इसमें सबसे ज्यादा चौंकाने वाला मामला उन्हें एक खुफिया सूत्र (इंटेलिजेंस सोर्स) के तौर पर भर्ती करने के लिए स्नक्चढ्ढ द्वारा की गई विशेष कोशिशें शामिल हैं। फैंग 2015 में चीन लौट गईं। इसके बाद अमेरिका में उन पर कभी कोई मुकदमा नहीं चला।

अमेरिका में बनाई पकड़

फैंग 2011 के आसपास सैन फ्रांसिस्को बे एरिया पहुंचीं और कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, ईस्ट बे में दाखिला लिया। कम उम्र में ही उन्होंने यूनिवर्सिटी में अपनी गतिविधियों के जरिए स्थानीय राजनीति में पैठ बनानी शुरू कर दी। फैंग ने अपने पदों का इस्तेमाल ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन के लिए किया, जिनमें राह्यनेता, कारोबारी अधिकारी और चीनी कांसुलर अधिकारी शामिल होते थे। धीरे-धीरे करीबियां बढ़ने लगी और जासूसी का काम आसान होता गया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524